

सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच



वर्ष- 18 अंक - 39 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, रविवार 22 नवम्बर 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास - खबर

भाजपा ने विधायक ललित चंद्राकर को बनाया ओबीसी मोर्चा का राष्ट्रीय महामंत्री

भिलाई। भारतीय जनता पार्टी ने अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) मोर्चा के राष्ट्रीय



पदाधिकारियों और कार्यसमिति सदस्यों की नई सूची जारी की है। इस सूची में छत्तीसगढ़ के दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र से विधायक ललित चंद्राकर को बड़ी जिम्मेदारी सौंपते हुए ओबीसी मोर्चा का राष्ट्रीय महामंत्री नियुक्त किया है। साथ ही, प्रदेश के खम्हन ताम्रकार को मोर्चा की राष्ट्रीय कार्यसमिति का सदस्य बनाया गया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के निर्देश पर देशभर के विभिन्न राज्यों के प्रमुख नेताओं को संगठन में जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इसमें छत्तीसगढ़ से दो नेताओं के नाम शामिल हैं। विधायक ललित चंद्राकर को राष्ट्रीय महामंत्री बनाए जाने से उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर काम करने का अवसर मिलेगा। इस नियुक्ति के बाद प्रदेश के कार्यकर्ताओं और समर्थकों में उत्साह है, क्योंकि राज्य के नेताओं को केंद्रीय स्तर की संगठनात्मक गतिविधियों में सीधा प्रतिनिधित्व मिला है।

राजस्थान में खड़े ट्रक में घुसी क्रूजर, 9 की मौत

कोटा। राजस्थान के कोटा-उदयपुर नेशनल हाईवे-52 पर शनिवार देर रात एक



बजे तेज रफ्तार क्रूजर सड़क किनारे खड़े ट्रक से पीछे से टकरा गई। हादसे में क्रूजर सवार एक ही परिवार के 9 लोगों की मौत हो गई। इनमें दो बच्चे थे। ट्रक ड्राइवर सहित 7 लोग घायल हुए हैं। हादसा कोटा के नाता थाना क्षेत्र में शंभूपुरा गांव के पास हुआ। शव और घायल गाड़ी में फंस गए, जिन्हें पुलिस ने लोगों की मदद से निकालकर न्यू मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल भिजवाया। एसपी तेजस्वनी गौतम ने बताया- क्रूजर में एक परिवार के 15 लोग सवार थे। सभी धुले (महाराष्ट्र) के रहने वाले हैं, जो खाटूश्यामजी के दर्शन कर लौट रहे थे। पुलिस के मुताबिक परिवार के कुल 36 लोग मंगलवार को तीन अलग-अलग गाड़ियों में धुले से धार्मिक यात्रा पर निकले थे। वे मध्य प्रदेश में ओंकारेश्वर, उज्जैन, राजस्थान में सांवरिया सेठ, अजमेर और पुष्कर होते हुए शनिवार सुबह 11 बजे खाटूश्यामजी पहुंचे थे।

भिलाई में लड़की से बातचीत करने पर युवक पर हमला

भिलाई। लड़की से फोन पर बातचीत करने के शक में एक युवक पर चाकू से हमला कर दिया गया। लड़की ने अपने भाई और उसके साथियों के कहने पर युवक को मिलने के लिए सुपेला के गदा चौक बुलाया था। युवक के पहुंचते ही 3 से 4 युवकों ने उसे घेर लिया और कमर, सिर, पेट और पीठ पर चाकू से कई वार किए। घायल युवक किसी तरह स्कूटी से भागकर अस्पताल पहुंचा। उसे पहले सुपेला के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से निजी अस्पताल रेफर किया गया है। इस मामले में वैशाली नगर थाना पुलिस ने मामले में तीन लोगों को हिरासत में लिया है।

टीम इंडिया में खेलेंगी छत्तीसगढ़ की 2 बेटियां : पलक सिंह और महक नरवसे का चयन

■ **106 की रफ्तार से पलक ने फेंकी गेंद, महक ने लिए 20 विकेट**

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। किसी ने 13 हजार खिलाड़ियों के बीच अपनी गेंदबाजी की रफ्तार दिखाई तो किसी ने बचपन में थापी को बल्ला बनाकर क्रिकेट खेलना शुरू किया। अब छत्तीसगढ़ की ये दोनों बेटियां भारतीय महिला अंडर-19 टीम की जर्सी पहनेंगी।

पलक सिंह और महक नरवसे का इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी-20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में चयन हुआ है। सीरीज 26 नवंबर से 6 दिसंबर तक वडोदरा और सूरत में खेली जाएगी। जनवरी 2027 में होने वाले अंडर-19 टी-20 विश्व कप की तैयारियों के लिहाज से यह सीरीज अहम है।



पलक ने दिखाई 106 की रफ्तार

15 वर्षीय मध्यम तेज गेंदबाज पलक सिंह ने डब्ल्यूपीएल की स्पीड क्वीन टैलेंट हंट प्रतियोगिता में अपनी रफ्तार से पहचान बनाई। देशभर के 13 हजार से ज्यादा प्रतिभागियों के बीच जोनल ट्रायल में उन्होंने 108 किमी प्रति घंटे और मुंबई में हुए फाइनल में 106 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद फेंककर गोल्ड मेडल जीता। पलक ने घरेलू सीजन में आठ मैचों में पांच विकेट लिए। उनके प्रदर्शन के आधार पर उन्हें डब्ल्यूपीएल 2027 की नीलामी सूची में 10 लाख रुपए बेस प्राइस के साथ जगह मिली है।

दूसरी बार मिला मौका

जून 2026 में श्रीलंका दौरे पर भारतीय अंडर-19 टीम की उपकप्तान रह चुकीं महक को अब फिर राष्ट्रीय टीम में मौका मिला है। महक ने 2025-26 के सीनियर महिला वनडे टूर्नामेंट में नौ मैचों में 212 रन बनाने के साथ 20 विकेट लिए। महिला अंडर-19 वनडे में चार मैचों में 67 रन और आठ विकेट उनके नाम रहे। वहीं अंडर-23 टी-20 में भी ऑलराउंड प्रदर्शन किया।

छत्तीसगढ़ में पटवारियों की हड़ताल स्थगित सीएम साय से मुलाकात के बाद फैसला

शर्तों के साथ प्रांताध्यक्ष ने जारी किया पत्र, राजस्व संबंधि कार्यों में आएगी तेजी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पटवारियों की 40 दिन से जारी अनिश्चितकालीन हड़ताल स्थगित हो गई है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मुलाकात के बाद राजस्व पटवारी संघ ने आंदोलन खत्म करने का फैसला लिया। संघ के प्रांताध्यक्ष भागवत कश्यप ने हड़ताल स्थगित करने संबंधी पत्र भी जारी किया है। पटवारी 13 अक्टूबर से पीवी एप की तकनीकी खामियां दूर करने की मांग को लेकर हड़ताल पर थे। इससे राजस्व विभाग के कामकाज प्रभावित हो रहे थे। अब पटवारियों के काम पर लौटने से आम लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है।

राजस्व पटवारी संघ लंबे समय से पीवी एप की तकनीकी और व्यावहारिक खामियां दूर करने की मांग कर रहा था।



पटवारियों का कहना था कि एप में आ रही दिक्कतों से मैदानी स्तर पर काम करने में परेशानी हो रही है। इन खामियों को दूर करने की मांग को लेकर पटवारियों ने 13 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू की थी। करीब 40 दिनों तक चली हड़ताल से राजस्व विभाग का कामकाज प्रभावित हुआ। जमीन से जुड़े दस्तावेज, नामांतरण, सीमांकन और अन्य राजस्व सेवाओं के काम अटक गए। इसके चलते आम लोगों को अपने काम के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़े।

सीएम साय से मुलाकात के बाद लिया निर्णय

हड़ताल खत्म करने को लेकर पटवारी संघ के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मुलाकात की। इस दौरान अपनी मांगों और पीवी एप से जुड़ी समस्याओं को रखा। मुलाकात के बाद संघ ने फिलहाल हड़ताल स्थगित करने का निर्णय लिया। प्रांताध्यक्ष भागवत कश्यप की ओर से जारी पत्र में इसकी जानकारी दी गई है। हड़ताल स्थगित होने से पटवारियों के काम पर लौटने का रास्ता साफ हो गया है। इससे लंबित राजस्व प्रकरणों के निपटारे में तेजी आने और आम लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है। हालांकि, पीवी एप की तकनीकी खामियों को दूर करने और संघ की अन्य मांगों पर आगे क्या कार्रवाई होगी।

ट्रेनें रद्द करने में बिलासपुर जोन सबसे आगे, 9 माह में 840 रद्द



श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में जनवरी से सितंबर 2026 तक नौ महीनों में 840 ट्रेनें रद्द हुईं। वहीं, देश के बाकी 7 रेल जोन में भी अलग-अलग कारणों से करीब 2,900 ट्रेनें रद्द करनी पड़ीं। यानी इन 8 जोन में यात्रियों को ट्रेनों के रद्द होने से बड़े पैमाने पर परेशानी उठानी पड़ी। कहीं तीसरी-चौथी रेल लाइन का निर्माण और नॉन-इंटरलॉकिंग काम वजह बना, तो कहीं मेगा ब्लॉक, भारी बारिश और चक्रवात के कारण ट्रेनों का परिचालन रोकना पड़ा। इस मामले में बिलासपुर जोन देश के अन्य जोन से आगे है। बिलासपुर जोन में रद्द ट्रेनों में 478 मेमू-पैसेंजर सेवाएं थीं, जिन पर रोजाना सफर करने वाले यात्रियों की निर्भरता सबसे ज्यादा है।

इस मामले में रेलवे अफसरों का कहना है कि चौथी रेल लाइन से चांपा स्टेशन को जोड़ने और ऑटो सिग्नलिंग के लिए नॉन-इंटरलॉकिंग का काम किया जा रहा है। इससे आगे चलकर इस रेलखंड की क्षमता बढ़ेगी और परिचालन व समयपालन में सुधार होगा। ऐसे निर्माण कार्य दूसरे रेल जोन में भी होते हैं, जिनके चलते कुछ ट्रेनें अस्थायी रूप से रद्द करनी पड़ती हैं।

केंद्रीय जेल रायपुर के 70 बंदियों को मिला कौशल प्रशिक्षण का प्रमाण-पत्र



श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की जेलों में बंदियों के सुधार, पुनर्वास एवं आत्मनिर्भरता की दिशा में संचालित 'निश्चय कार्यक्रम' के अंतर्गत शिक्षा और कौशल विकास को विशेष प्रोत्साहन दिया जा रहा है। इसी कड़ी में केंद्रीय जेल रायपुर में रविवार को आयोजित कार्यक्रम में कंप्यूटर शिक्षा एवं ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने वाले 70 बंदियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। यह पहल बंदियों को रिहाई के बाद सम्मानजनक आजीविका के अवसरों से जोड़ने और समाज की मुख्यधारा में पुनर्स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास है।

भारत सरकार के कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय के जन शिक्षण संस्थान निदेशालय तथा जेल एवं सुधारात्मक सेवाएं, छत्तीसगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत 40 पुरुष बंदियों को 'कोर्स ऑन कंप्यूटर कॉन्सेप्ट' तथा 30 महिला बंदियों को 'असिस्टेंट हेयर ड्रेसर (एडवांस)' के अंतर्गत ब्यूटी पार्लर संबंधी प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जेल एवं सुधारात्मक सेवाएं, छत्तीसगढ़ के महानिदेशक हिमांशु गुप्ता ने प्रशिक्षण प्राप्त बंदियों को प्रमाण-पत्र प्रदान करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

चक्रवात 'अकवान' का असर थमने के बाद अब बढ़ेगी ठंड

रायपुर। छत्तीसगढ़ में चक्रवात अकवान का असर खत्म होने के बाद ठंड बढ़ेगी। उत्तरी छत्तीसगढ़ और आसपास बने कम दबाव के क्षेत्र के कमजोर पड़ने के साथ मौसम में बदलाव होगा। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 2 दिनों तक न्यूनतम तापमान में विशेष बदलाव की संभावना नहीं है। इसके बाद 24 नवंबर से रात के तापमान में गिरावट शुरू हो सकती है। यानी मंगलवार से ठंड का असर बढ़ने लगेगा। फिलहाल, आज भी प्रदेश में एक-दो स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

राहुल के बाद पंत का शतक : वेलिंगटन टेस्ट में भारत मजबूत, चौथे दिन भारत 233 रन से आगे

■ **भारतीय पारी 720/9 पर घोषित, दूसरी पारी में न्यूजीलैंड 119/2, जीत से 8 विकेअ दूर भारत**

वेलिंगटन। भारतीय टीम वेलिंगटन टेस्ट में न्यूजीलैंड के खिलाफमजबूत स्थिति में है। उसने रविवार को मैच के चौथे अपनी पहली पारी 720/9 के स्कोर पर डिक्लेयर की। फिर शाम तक कीवियों को 2 झटके भी दे दिए। दिन का खेल समाप्त होने तक न्यूजीलैंड ने 2 विकेट के नुकसान पर 119 रन बना लिए हैं। डेवोन कॉन्वे 59 और रचिन रवींद्र 27 रन पर नाबाद लौटे। हेनरी निकल्स 31 और टॉम लैथम जीरो पर आउट हुए।

इससे पहले टीम इंडिया ने पहली पारी में 352 रन की बढ़त ली केएल राहुल (136 रन)



और ऋषभ पंत (128 रन) ने शतक लगाए। कप्तान शुभमन गिल (98 रन), यशस्वी जायसवाल (85 रन), देवदत्त पडिक्कल (80 रन) और ध्रुव जुरेल (78 रन) ने अर्धशतक लगाए। न्यूजीलैंड पहली पारी में 368 रन पर ऑलआउट हुआ था।

न्यूजीलैंड में पंत के हासिल की है खास उपलब्धि

भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने न्यूजीलैंड में उपलब्धि हासिल की कि वह स्वह्न देशों (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) के चारों देशों में टेस्ट शतक लगाने वाले पहले भारतीय विकेटकीपर बन गए हैं। पंत ने रविवार को 153 गेंदों पर 128 रन की शानदार पारी खेली। शतकीय पारी के साथ ही पंत ने अपनी फिटनेस और फॉर्म को लेकर उठ रहे सवालों का करारा जवाब दिया। पंत ने कहा कि अब उनके करियर का लक्ष्य सिर्फ छक्के लगाना नहीं, बल्कि अपने खेल में निरंतरता बनाए रखना और मैदान पर उतरते ही टीम के लिए प्रभावशाली प्रदर्शन करना है।



संपादकीय

अश्लीलता की लीला

सोशल मीडिया न बने विद्रूपता का चेहरा

इसमें दो राय नहीं कि सोशल मीडिया समाज में सहज-सरल संवाद व मुखर अभिव्यक्ति का माध्यम बना है। लेकिन इसमें संपादक नामक संस्था न होने के कारण यह माध्यम धीरे-धीरे अराजक सामग्री, हिंसक अभिव्यक्ति और अश्लीलता का प्रसारक व पोषक बनता जा रहा है। दरअसल, इन कंपनियों का प्रारूप कुछ इस तरह बनाया गया है कि सामाजिक मर्यादाओं का अतिक्रमण करने वाली और बच्चों के मन-मस्तिष्क पर बुरा असर डालने वाली सामग्री दर्शकों का ध्यान ज्यादा खींचती है। कुछ समय पहले सोशल मीडिया माध्यमों पर बच्चों के यौन-शोषण से जुड़ी सामग्री के विज्ञापनों के प्रसारण को लेकर सरकार ने सख्त रवैया अपनाया था। बाकायदा मेटा को इस बाबत नोटिस भी दिया गया था। तब भी इन कंपनियों की जवाबदेही और निगरानी व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न लगे थे। विडंबना ही है कि हिंसक, अश्लील व सनसनी फैलाने वाली सामग्री को दर्शकों की ज्यादा प्रतिक्रिया मिलती है, जो इन कंपनियों के अर्थशास्त्र का आधार भी है। विडंबना यह भी है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों का एल्गोरिद्म उपयोगकर्ताओं की अभिरुचि और प्रतिक्रिया के चलते ऐसी सामग्री का अधिक प्रसार करने लगता है। अब सरकार की प्रतिक्रिया व कुछ प्रबुद्ध लोगों के प्रतिरोध के बाद इंस्टाग्राम ने अपने कंटेंट रिकमेंडेशन सिस्टम में बदलाव लाने की बात कही है। इसके अंतर्गत दावा किया जा रहा है कि एआई की मदद से अश्लील व हिंसक सामग्री की संस्तुति को उपयोगकर्ताओं तक पहुंचने से पहले ही हटाने का प्रयास किया जाएगा। लेकिन सवाल यह है कि क्या ऐसी सामग्री को बढ़ावा देने में कंपनी की कोई भूमिका होती है? यदि नहीं, तो इसे कौन बढ़ावा देता है? सवाल यह भी है कि प्लेटफॉर्म पर सामग्री की निगरानी करने वाला एल्गोरिद्म भारतीय परिवेश में वर्जित सामग्री को लेकर अपेक्षित संवेदनशीलता दिखा पाएगा? बहुत संभव है कि सोशल मीडिया पर सूचनाओं व कार्यक्रमों का स्वरूप निर्धारित करने में पश्चिमी समाज का दृष्टिकोण प्रभावी होता हो। तो क्या एआई आधारित निगरानी व्यवस्था समस्या का संपूर्ण समाधान दे पाएगी?

> “ कुछ समय पहले सोशल मीडिया माध्यमों पर बच्चों के यौन-शोषण से जुड़ी सामग्री के विज्ञापनों के प्रसारण को लेकर सरकार ने सख्त रवैया अपनाया था। बाकायदा मेटा को इस बाबत नोटिस भी दिया गया था। तब भी इन कंपनियों की जवाबदेही और निगरानी व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न लगे थे। विडंबना ही है कि हिंसक, अश्लील व सनसनी फैलाने वाली सामग्री को दर्शकों की ज्यादा प्रतिक्रिया मिलती है, जो इन कंपनियों के अर्थशास्त्र का आधार भी है। विडंबना यह भी है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों का एल्गोरिद्म उपयोगकर्ताओं की अभिरुचि और प्रतिक्रिया के चलते ऐसी सामग्री का अधिक प्रसार करने लगता है।

वास्तव में इस बात की संभावना कम ही नजर आती है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित फिल्टरिंग व्यवस्था सोशल मीडिया पर अश्लील व आपत्तिजनक सामग्री पर पूरी तरह नियंत्रण लगा सकेगी। मशीन मानवीय अहसासों को पूरी तरह नहीं समझ सकती। इसलिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के साथ मानवीय निगरानी और शिकायतों के शीघ्र निस्तारण का तंत्र भी बने। अब तो जो पश्चिमी देश कल तक सोशल मीडिया का गुणगान करते नहीं अघाते थे, वे भी इससे बच्चों में पनपती विकृतियों की हकीकत समझने लगे हैं। ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, स्कॉटलैंड आदि देशों ने एक निर्धारित उम्र के किशोरों की सोशल मीडिया तक पहुंच पर रोक लगाई है। न्यू मेक्सिको में एक जूरी ने मेटा को इस बात के लिए जवाबदेह ठहराया कि उसके प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध वयस्क सामग्री तक बच्चों की पहुंच बनी हुई है, जिससे उनके जीवन में यौन अपराधियों से खतरा बढ़ गया है। लेकिन भारत जैसे देशों में सोशल मीडिया के बच्चों के जीवन पर घातक प्रभावों के बावजूद नियामक कानून न होने से कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो पाती है। मांग की जा रही है कि एक निर्धारित आयु से अधिक उम्र के बच्चे ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म तक पहुंच बना सकें। विडंबना यह भी है कि बच्चों को संस्कार अब माता-पिता व शिक्षक नहीं, बल्कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों का दोहन करने वाले स्वार्थी तत्व दे रहे हैं, जो भारतीय जीवन-मूल्यों व संस्कारों से मेल नहीं खाते। आज सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्मों पर इतनी अश्लील व द्विअर्थी सामग्री का प्रवाह है कि हमारे किशोर आपराधिक प्रवृत्तियों की ओर उन्मुख हो रहे हैं। सोशल मीडिया के नकारात्मक प्रभावों के चलते आज बच्चों के नायक व आदर्श बदल गए हैं। उनका नजरिया बदल रहा है। अश्लील सामग्री की उपलब्धता ने ब्रह्मचर्य के भारतीय दर्शन को ताक पर रख दिया है। इसका प्रभाव बच्चों के शैक्षिक प्रदर्शन व एकाग्रता पर भी पड़ेगा। दुखद है कि बच्चे इंटरनेट पर उपलब्ध अश्लील सामग्री से अपरिपक्व उम्र में रूबरू हो रहे हैं। फलत: अल्पवयस्कों में यौन अपराधों की वृद्धि घातक स्तर तक पहुंच रही है। इस प्रवृत्ति पर नियंत्रण के लिए घर और स्कूल में बच्चों को सोशल मीडिया के स्याह पहलुओं से अवगत कराना जरूरी है।

एक दशक, जिसने भारत में गरीबी की तस्वीर बदली



श्रीमती निर्मला सीतारामन



एक साल पहले जब मैं नागालैंड की दुर्गम पहाड़ियों में बसे आकांक्षी जिले किफिरे गई थी, तो वहाँ स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी आदिवासी महिलाओं से संवाद करने का अवसर मिला। उन्हीं में एक 'लखपति दीदी' एस्थर भी थीं। उन्होंने बड़े गर्व से बताया कि मोटे अनाज से बने उनके उत्पाद अब ऑनलाइन माध्यम से नागालैंड की सीमाओं से निकलकर देश के दूर-दराज के ग्राहकों तक पहुँच रहे हैं। उनके भीतर बेहतर भविष्य का जो आत्मविश्वास था, वह मेरे मन में बस गया। मैंने उनसे कहा कि वे और बड़े सपने देखें और 'करोड़पति दीदी' बनें। उनकी कहानी उस बड़े बदलाव की बानगी थी, जो आज देश के सबसे सुदूर इलाकों तक पहुँच चुकी है – जहाँ भौगोलिक और आर्थिक चुनौतियों ने दशकों तक अवसरों को जकड़ रखा था, लेकिन अब नई उम्मीदें आकार ले रही हैं।

पिछले महीने जब विश्व बैंक ने भारत में गरीबी और समानता पर अपनी ताजा रिपोर्ट जारी की, तो मुझे किफिरे की वह मुलाकात फिर याद आ गई। रिपोर्ट बताती है कि 2011 से 2023 के बीच करीब 50 करोड़ भारतीय गरीबी के चक्र से बाहर निकले हैं और देश में अत्यधिक गरीबी लगभग खत्म हो चुकी है। ये आँकड़े उसी बदलाव की गवाही देते हैं, जिसे मैंने खुद जमीन पर महसूस किया था। एक दौर था जब हालात बिल्कुल उलट थे। आजादी के छह दशक बाद भी बड़े पैमाने पर गरीबी हटाना एक अधूरा सपना ही बना रहा। 2010 के दशक की शुरुआत में भी दुनिया भारत को एक ऐसे देश के रूप में देखती थी जहाँ अभाव स्थायी है, जहाँ स्वच्छता, पोषण, स्वच्छ ईंधन और बैंकिंग जैसी बुनियादी सुविधाएँ आम आदमी की पहुँच से दूर थीं। तब यही मान लिया गया था कि गरीबों के हाथ में कुछ नकद थमा देने से गरीबी अपने आप खत्म हो जाएगी। बीते एक दशक ने इस पुरानी सोच को पूरी तरह बदल दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने तात्कालिक राहत के बजाय उन जड़ों पर प्रहार किया है, जो गरीबी को बार-बार जन्म देती हैं। पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति के कल्याण यानी 'अंत्योदय' के मंत्र को अपनाते हुए हमारी सरकार ने कठिन लेकिन स्थायी रास्ता चुना, हर परिवार की जरूरतों को समझा और यह सुनिश्चित किया कि विकास का लाभ वास्तव में सबसे जरूरतमंद तक पहुँचे।

सटीक लक्ष्य, ठोस परिणाम

गरीबी का अर्थ सिर्फ कम आमदनी नहीं है। यदि किसी परिवार के पास पक्की छत, साफपानी, शौचालय या इलाज की सुविधा न हो, तो कमाई बढ़ने के बाद भी वह असुरक्षित ही रहता है। एक गंभीर बीमारी उसकी वर्षों की जमा-पूँजी छीनकर उसे फिर से गरीबी के गर्त में धकेल सकती है। यही कारण है कि हमारी सरकार ने हर योजना को जरूरतमंदों की वास्तविक समस्या के अनुरूप गढ़ा और उसके ठोस परिणामों पर जोर दिया। यह बदलाव किसी जादू से नहीं आया। इसके लिए लाभार्थियों की सही पहचान, जमीनी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन और आखिरी घर तक लाभ पहुँचने की निरंतर निगरानी जरूरी थी। प्रधानमंत्री मोदी ने स्वयं हर योजना की बारीकी से समीक्षा की, जहाँ अड़चनें आईं उन्हें दूर किया और पारदर्शिता के लिए तकनीक के इस्तेमाल को बढ़ावा दिया। इसी निरंतरता ने सरकारी नीतियों को आम लोगों के जीवन में वास्तविक बदलाव का माध्यम बना दिया।

घर से शुरू हुई सेहत और सम्मान की राह

कोई भी परिवार तब तक आगे नहीं बढ़ सकता, जब तक बीमारी और रोजाना पानी ढोने की मशक्कत उसकी ऊर्जा और संसाधन निगलती रहे। 'स्वच्छ भारत अभियान' के तहत घर-घर शौचालय बनने से न केवल सम्मान मिला, बल्कि एक अनुमान के अनुसार हर साल 60 से 70 हजार शिशुओं की अकाल मृत्यु रोकने में मदद मिली। 'जल जीवन मिशन' के जरिए ग्रामीण घरों में नल से जल के कनेक्शन 2019 के करीब 3 करोड़ से बढ़कर आज लगभग 16 करोड़ तक पहुँच गए हैं। इससे महिलाओं और बेटियों को पानी के लिए मीलों पैदल चलने से मुक्ति मिली और जलजनित बीमारियों का खतरा भी घटा। इसी तरह 'उज्ज्वला योजना' ने रसोई को धुएँ से आजाद किया, तो 'पीएम आवास योजना' ने पक्के घर की सुरक्षा और गरिमा दी। वहीं,'आयुष्मान भारत' के तहत कैशलेस इलाज ने बीमारी के भारी-भरकम खर्च से परिवारों को सुरक्षा कवच प्रदान किया। इन योजनाओं ने मिलकर एक ऐसे सुरक्षा चक्र का काम किया है, जिसने घरेलू खर्च घटाया, काम के लिए समय बचाया और परिवारों को दोबारा गरीबी में फिसलने से रोका।

बैंक खाते से उद्यमिता की उड़ान

सामाजिक सुरक्षा परिवारों को संबल देती है, लेकिन आर्थिक रूप से ऊपर उठने के लिए आजीविका के अवसर जरूरी हैं। करोड़ों भारतीयों के लिए इस नई शुरुआत की पहली सीढ़ी एक बैंक खाता बना। कभी यह कड़वा सच माना जाता था कि सरकारी खजाने से निकले एक रुपये में से सिर्फ पंद्रह पैसे ही आम आदमी तक पहुँचते हैं। 'डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर' ने इस व्यवस्था को इतिहास बना दिया। आज 59 करोड़ से अधिक 'जन धन' खातों के जरिए सरकारी मदद बिना किसी बिचौलिए के सीधे हकदार के खाते में पहुँच रही है। तकनीक ने इसे अभूतपूर्व पैमाने पर संभव कर दिखाया।

बैंक खाते ने लोगों को सुरक्षित बचत की आदत दी और उनका वित्तीय रिकॉर्ड तैयार किया, जिससे संस्थागत कर्ज के रास्ते खुले। जिनके पास गिरवी रखने को कोई संपत्ति नहीं थी, उनके लिए यह पहला कर्ज जीवन बदलने वाला साबित हुआ। दो महीने पहले मुद्रा योजना के लाभार्थियों से बातचीत के दौरान मेरी भेंट पश्चिम बंगाल की सुष्मिता घराई से हुई। कोरोना महामारी में पिता को खोने के बाद उनके परिवार का प्रिंटिंग व्यवसाय पूरी तरह ठप हो गया था। न जमीन थी, न सोना, लेकिन बिना गारंटी वाले मुद्रा ऋण ने उन्हें अपना प्रेस दोबारा खड़ा करने की ताकत दी। आज वे आठ लोगों को रोजगार दे रही हैं, जो उनकी शुरुआती टीम से दोगुना है, और अब डिजिटल प्रिंटिंग में विस्तार की तैयारी कर रही हैं। उनका जज्बा उन करोड़ों युवाओं की आकांक्षाओं का प्रतीक है, जिनके हौसले उनके संसाधनों से कहीं बड़े हैं। अब तक मुद्रा योजना के तहत 60 करोड़ ऋण खाते स्वीकृत हो चुके हैं, जिनमें करीब दो-तिहाई महिलाओं के हैं। इसके साथ ही 'पीएम स्वनिधि' और 'पीएम विश्वकर्मा' जैसी योजनाएँ रेहड़ी-पटरी वालों और पारंपरिक कारीगरों को नई पहचान और आर्थिक मजबूती दे रही हैं।

इस पूरे आर्थिक बदलाव की धुरी देश की महिलाएँ रही हैं। आज 10 करोड़ ग्रामीण महिलाएँ स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी हैं, जो [illegible] और अन्य पहलों के जरिए बचत, कौशल और उद्यमिता के मजबूत मंच बन गए हैं। 3.7 करोड़ से अधिक महिलाएँ 'लखपति दीदी' बन चुकी हैं और कई अब 'करोड़पति दीदी' बनने की राह पर हैं। वहीं, 'नमो ड्रोन दीदी' के रूप में प्रशिक्षित महिलाएँ आज खेतों में ड्रोन से छिड़काव की आधुनिक सेवाएँ दे रही हैं। जो महिलाएँ कभी आर्थिक मुख्यधारा से बाहर थीं, वे आज खुद रोजगार देने वाली उद्यमी बन रही हैं।

विकसित भारत का संकल्प

पीढ़ियों तक यह मान लिया गया था कि भारत में गरीबी को केवल संभाला जा सकता है, मिटाया नहीं जा सकता। एक दशक पहले जो असंभव लगता था, वह वर्षों के निरंतर और सार्थक जमीनी प्रयासों से आज हकीकत बन चुका है। लेकिन यह ठहरने का समय नहीं है। 2047 तक 'विकसित भारत' के लक्ष्य की अपनी नई चुनौतियाँ हैं। अगले चरण में हमें विकास की सीढ़ी के सबसे निचले पायदान पर बचे लोगों को भी गरीबी से बाहर निकालना है और यह सुनिश्चित करना है कि जो लोग आगे बढ़ चुके हैं, उनकी प्रगति निर्बाध जारी रहे। सामाजिक सुरक्षा के साथ-साथ अब वित्त, बाजार और डिजिटल अर्थव्यवस्था तक आम लोगों की पहुँच को और व्यापक बनाना होगा। सरकार रोजगार से जुड़े प्रोत्साहनों, इंटर्नशिप और अप्रेंटिसशिप के जरिए शिक्षा और उद्योग के बीच मजबूत सेतु बना रही है, जबकि आधुनिक बुनियादी ढाँचे में निवेश देश को अभूतपूर्व गति से जोड़ रहा है। अब विकास के अवसर केवल कुछ चुनिंदा लोगों तक सीमित नहीं रह सकते। प्रधानमंत्री का कहना है कि आजादी की तरह ही 'विकसित भारत' भी एक ऐसा संकल्प है, जिसे हर देशवासी को जीना होगा। जो लक्ष्य छह दशकों तक अधूरा रहा, उसे दस वर्षों में साकार करने के बाद भारत अगले दो दशकों की ओर पूरे आत्मविश्वास से कदम बढ़ा रहा है। 140 करोड़ भारतीयों की सामूहिक शक्ति और संकल्प से 2047 तक विकसित भारत का सपना हमारी पहुँच में है – और हम सब मिलकर इसे अवश्य पूरा करेंगे।

– लेखिका भारत सरकार में केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट कार्य मंत्री हैं।

गंभीर रोगों की वजह बन रहा है माइक्रोप्लास्टिक

ज्ञानेंद्र रावत

प्लास्टिक प्रदूषण पर्यावरण एवं मानव जीवन के लिए एक विकराल संकट बन चुका है। इसका मानव स्वास्थ्य पर बेहद गंभीर और व्यापक दुष्प्रभाव पड़ रहा है। हालिया शोध में पाया गया कि धमनियों में माइक्रोप्लास्टिक और नैनोप्लास्टिक जमा होने से दिल का दौरा, स्ट्रोक और हृदय संबंधी गंभीर बीमारियों का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। माइक्रोप्लास्टिक के कण मानव शरीर के लिवर, गुर्दे, फेफड़ों, यहां तक कि प्लेसेंटा यानी अपरा में भी पाए गए हैं, जो इन अंगों की कार्यक्षमता को प्रभावित करते हैं। सामान्य प्लास्टिक में पाया जाने वाला बिसफिनॉल एस नामक रसायन भी स्तन कैंसर की आक्रामकता बढ़ाने में अहम भूमिका निभाता है।

अब तो लैंडफिल से निकलने वाले प्लास्टिक कचरे के विषैले रासायनिक पदार्थ बीपीए यानी बिसफेनॉल ए पर्यावरण में फैल रहे हैं। इससे आसपास के तकरीबन दो किलोमीटर के दायरे में कृषि भूमि और जलस्रोत प्रदूषित होने का खतरा पैदा हो जाता है। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय, अजमेर के शोध अध्ययन के अनुसार, डंपिंग यार्ड में दबाया गया



प्लास्टिक कचरा टूटकर मिट्टी और जल में हानिकारक रसायन बीपीए छोड़ता है। अध्ययन की प्रमुख शोधकर्ता का कहना है कि डंपिंग यार्ड के पास मिट्टी और जल के नमूनों की जांच में बीपीए के चिंताजनक परिणाम सामने आए हैं। प्रमुख शोधकर्ता के अनुसार, भारत में जल और कृषि मिट्टी की जांच में बीपीए की जांच शामिल नहीं है, क्योंकि वर्तमान में इसके लिए देश में कोई सरकारी नियम नहीं है, जबकि यूरोपीय संघ में बीपीए के संबंध में सख्त नियम हैं।

सच तो यह है कि प्लास्टिक सैकड़ों सालों तक विघटित नहीं होता और नदियों, समुद्रों तथा मिट्टी में मिलकर वन्यजीवों और जलीय जीवों के जीवन के लिए खतरा बनता जा रहा है। बदलती जीवनशैली और जागरूकता के अभाव में प्लास्टिक का दिनोंदिन बढ़ता चलन खतरनाक साबित हो रहा है। तमाम प्रयासों और प्रतिबंधों के बावजूद प्लास्टिक कचरे का बढ़ता बोझ पर्यावरण के साथ-साथ प्राणी मात्र के जीवन के लिए गंभीर संकट बन चुका है। शहरीकरण, खान-पान की बदलती आदतें, बाहर से खाना मंगाने की बढ़ती प्रवृत्ति और दैनिक उपयोग की वस्तुओं की प्लास्टिक पैकेजिंग इसके प्रमुख कारण हैं।

आज इंसानी जीवन पूरी तरह प्लास्टिक पर निर्भर हो गया है। इसके इस्तेमाल की सबसे बड़ी वजह यह है कि इसे बहुत कम खर्च में तैयार किया जाता है और यह हल्का होने के कारण आसानी से लाया-ले जाया जा सकता है।

इस बारे में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के मेडिसिन विभाग की मानें तो प्लास्टिक के छोटे कण हमारे प्रतिरोधी तंत्र को नुकसान पहुंचाने के साथ-साथ लिवर और किडनी संबंधी बीमारियों का कारण भी बनते हैं। प्लास्टिक से टूटने वाले सूक्ष्म कण, जिन्हें माइक्रोप्लास्टिक कहते हैं, पेयजल, हवा और भोजन के जरिये मानव शरीर में प्रवेश कर हार्मोनल असंतुलन, प्रजनन संबंधी समस्याओं और कैंसर का खतरा बढ़ा रहे हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि बेकार समझकर बाहर फेंके गए प्लास्टिक और पॉलिथीन टूटकर हवा और पानी के साथ घरों तक पहुंच रहे हैं।

भारतीय विष विज्ञान अनुसंधान संस्थान के हालिया शोध में इस बात का खुलासा हुआ है कि प्लास्टिक के कप-प्लेट, टिफिन, पानी की बोतलें और अन्य सामान इंसान की सोचने-समझने की क्षमता को प्रभावित कर सकते हैं। इनके असर से तंत्रिका कोशिकाएं कमजोर होने के साथ नई कोशिकाओं के निर्माण में भी रुकावट आती है। शोधकर्ता का कहना है कि प्लास्टिक में रखा पानी या खाना गर्म किया जाता है तो इनमें से बीपीए नामक रसायन निकलकर बच्चों और बुजुर्गों के शरीर में पहुंचता है और दिमाग को नुकसान पहुंचा सकता है। प्लास्टिक के कण लिवर की कोशिकाओं में तनाव पैदा करते हैं, जिससे फाइब्रोसिस जैसी समस्या हो सकती है।

चिंता की बात यह है कि प्लास्टिक की पहुंच अब समुद्री चट्टानों यानी कोरल रीफ और हिंदूकुश-हिमालय के ग्लेशियरों तक हो गई है। इससे इस क्षेत्र से निकलने वाली नदियों पर निर्भर तकरीबन दो अरब लोगों की जल सुरक्षा को खतरा पैदा हो गया है। यह स्पष्ट है कि प्लास्टिक प्रदूषण का संकट अब केवल मानव स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है, बल्कि समुद्री और पर्वतीय पारिस्थितिकी तंत्र को भी प्रभावित कर रहा है। जहां तक सरकार का सवाल है, उसने 1 जुलाई, 2022 से सिंगल यूज प्लास्टिक जैसे कप, प्लेट, चम्मच, स्ट्रॉ आदि पर प्रतिबंध लगाया और प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियमों में कई संशोधन भी किए, लेकिन इसके बावजूद इसके उत्पादन और इस्तेमाल पर कोई प्रभावी अंकुश नहीं लग सका। सरकार छोटे दुकानदारों और आम जनता को सस्ते व आसानी से उपलब्ध होने वाले ईको-फ्रेंडली विकल्प मुहैया कराने में भी नाकाम रही है। यही नहीं, कचरे के पृथक्करण और वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण के लिए मजबूत बुनियादी ढांचे का अभाव भी इसे खुले में जलाने का अहम कारण है। इससे निकलने वाली जहरीली गैसें वायु गुणवत्ता बिगाड़ने के साथ श्वसन तंत्र को भी नुकसान पहुंचाती हैं, जबकि प्लास्टिक कचरा जलस्रोतों में पहुंचकर भूजल प्रदूषित करता है। इसलिए हमें सरकार के भरोसे न रहकर सबसे पहले अपनी जीवनशैली बदलनी होगी। तभी प्लास्टिक जैसे दानव से काफी हद तक निजात मिल सकती है।

-लेखक पर्यावरणविद् हैं।

समुद्री मार्गों को सुचारु रखने में भारत की भूमिका

एसएस मेहता

हर सैनिक यह सीखता है कि कोई ज़मीन या इलाका कभी तटस्थ नहीं रह सकते। एक पुल या पहाड़ी दर्रा किसी लड़ाई का नतीजा तय कर सकता है। समुद्र में, 'स्ट्रेट्स' (संकरे समुद्री मार्ग) की अहमियत भी उतनी ही है। इन मार्गों को सुरक्षित करके व्यापार को निरापद बनाया जा सकता है, दुश्मन पर दबाव डालने के काम आ सकते हैं या किसी लड़ाई की दिशा बदल सकते हैं।

इतिहास में इसकी भारी कीमत दर्ज है। 1915 में गैलीपोली में भारतीय सैनिकों ने ऐसे अभियान में हिस्सा लिया था, जो अंतत: बड़ी विफलता सिद्ध हुआ। आज, जब होर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव व्याप्त है और बाब अल-मंदेब के पास हमले हो रहे हैं, तो भारतीय नौसैन्य युद्धपोत व्यापारिक जहाजों को सुरक्षित रास्ता पार कराने में मदद कर रहे हैं। एक जगह बनी बाधा का असर दूर तक फैलता है। 'चोकपॉइंट' का मतलब अब सिर्फ वह समुद्री रास्ता नहीं रहा जिस पर युद्धपोत नज़र रखते हैं। इसमें समुद्र तल पर डली डेटा केबल, ईंधन ढुलाई जलमार्ग, अथवा भोजन एवं दवा आपूर्ति शृंखला भी शामिल है। कोविड-



19, जलवायु परिवर्तन और युद्धों ने दर्शाया है कि दुनिया के एक भाग में रुकावट कैसे दूसरे कोने के लोगों की आजीविका प्रभावित करती है। अब इसमें एक चौथा 'सी' अवयव भी जुड़ गया है : चोक पॉइंट्स का इस्तेमाल हथियार के रूप में करना। जिन लोगों को सबसे ज़्यादा नुकसान उठाना पड़ता है, अक्सर उन्हीं की बात सबसे कम सुनी जाती है। नेटवर्क टूटने में किसी का फायदा नहीं।

जब कोई एक समुद्री मार्ग बंद हो जाए, तो युद्धस्थल से बहुत दूर तक भी उसका असर होता है। ऐसे में कोई मालवाहक जहाज़ वहां से नहीं गुजर पाता। केरल का कोई परिवार खाड़ी देशों से आने वाले धनार्जन के इंतज़ार में होता है। किसान के लिए डीज़ल और खाद महंगे हो जाते हैं। बीमा प्रीमियम बढ़ते हैं, और जिन देशों का उस विवाद से लेना-देना नहीं, उन्हें भी उसका बोझ उठाना पड़ता है। ऐसे में 'डिटरेंस' (दुश्मन को भयाक्रांत कर हतोत्साहित करने की क्षमता) मायने रखती है; वहीं स्पष्ट नियम, समय पूर्व जानकारी साझा करना और सेवाओं को तेज़ी से बहाल करने की क्षमता भी ज़रूरी है। अपनी विशिष्ट भौगोलिक स्थिति से भारत का सीधा हित एवं विशेष ज़िम्मेदारी जुड़ी है। हिंद महासागर जलराशि पश्चिम में होर्मुज़ और बाब अल-मंदेब को पूर्व में मलक्का जलडमरूमध्य से जोड़ती है। भारत की समृद्धि उन समुद्री रास्तों पर निर्भर है जो खुले रहें और जिनका पूर्वानुमान लगाया जा सके। भारत की केंद्रीय स्थिति सहयोग का आधार बन सकती है, न कि अड़ंगा डालने का ज़रिया। हिंद महासागर किसी एक देश की जागीर नहीं। इसके समुद्री रास्तों पर पूर्वी अफ्रीका से लेकर दक्षिण-पूर्व एशिया तक की अर्थव्यवस्थाएं टिकी हैं, इसलिए इन रास्तों तक मुक्त पहुंच कायम रखने में जो हित भारत का है, वही कई अन्य देशों का भी है।

विभक्त विश्व में रणनीतिक स्वायत्तता : रणनीतिक स्वायत्तता का उद्देश्य भारत को कार्रवाई करने की अपनी आजादी से कहीं अधिक हो। विभक्त विश्व में, भारत का आकार और विदेशी क्षेत्रीय प्रभुत्व से बचे रहने का उसका इतिहास अशांति को शांति में बदलने का मौका देता है। विश्वास आचरण के जरिए अर्जित होता है, खासकर छोटे पड़ोसियों के प्रति व आपदा राहत कार्यों में शीघ्र मदद से। भारत के पास अगुवाई कर सार्थकता बनाने का अनुभव है। भारतीय सैनिकों ने दशकों तक संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षा में सेवा दी। अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन का सह-स्थापन और आपदा प्रबंधन अवसंरचना गठबंधन की शुरुआत की। 'वैक्सीन मैत्री' ने छोटे द्वीपीय देशों समेत दुनियाभर में इसकी डोज़ भेजीं। 'हॉर्न ऑफअफ्रीका' तट पर समुद्री डाकू प्रतिरोधक भारतीय गश्ती दलों ने कई देशों के जहाजों को सुरक्षा दी। ये ऐसी जिम्मेदारियां हैं जिन्हें निभाना एक जरूरत है। निगरानी, सुरक्षा और बचाव करने में सक्षम नौसेना अपने हित सुरक्षित करते हुए, व्यापार मार्ग सुचारु रखती है।

अगुवाई कोई निष्क्रिय काम नहीं : यह विश्वसनीय क्षमता की मांग करती है। भारत को निरापद समुद्री मार्ग और डिजिटल लोचशील तंत्र स्थापित करना होगा, वह जो व्यवधानों की रोकथाम करे और साझा मार्गों को दबाव बनाने का जरिया बनाने से रोके। सुरक्षा अंतत: लोगों से जुड़ी है, और उनकी आजीविका समुद्री मार्ग से माल ढुलाई, टैंकरों द्वारा आने वाले ईंधन और केबलों से संचारित डेटा पर निर्भर करती है। यही चीज़ मानवता को साझा वैश्विक संसाधन के रूप में मानने का अर्थ है। यह कोई कानूनी श्रेणी अथवा स्वामित्व का दावा नहीं, व्यावहारिक सिद्धांत है। पहुंच मार्गों की सुरक्षा करना, व्यवधान कम करना और पुनर्स्थापन को संभव बनाना। कसौटी सरल है। क्या कोई कार्रवाई उन लोगों के लिए साझा मार्गों को खुला रख सकती है, जिन्होंने यह संकट नहीं चुना?

सिद्धांत से व्यवहार तक : प्रथम, उन धमनियों की सुरक्षा करना जिन पर किसी की नज़र नहीं पड़ती। जैसे, समुद्र तल पर बिछी डेटा केबल, लैंडिंग स्टेशन व मरम्मत क्षमता पर भी उतना ही ध्यान दें, जितना हम जहाजरानी मार्ग व बंदरगाहों पर देते हैं। 2025 में जेद्दा के पास डेटा केबल खराब होने से भारत, पाकिस्तान और खाड़ी देशों में संचार कनेक्टिविटी प्रभावित हुई थी। हमें बेहतर निगरानी, त्वरित मंजूरी और मरम्मत क्षमता रखनी चाहिए। द्वितीय, तटीय राष्ट्रों को इस काम में साथ जोड़ना। जब उनके समुद्री क्षेत्रों में प्रतिस्पर्धा बढ़ती है, तो पहले असर उन तटीय राष्ट्रों पर पड़ता है। इसलिए, उनके लिए नहीं, बल्कि उनके साथ मिलकर क्षेत्रीय ढांचे तैयार किए जाएं। 'कोलंबो सिक्योरिटी कॉन्क्लेव' और 'इंडियन ओशन रिम एसोसिएशन' इसके शुरुआत बिंदु हैं; तटीय राष्ट्रों के साथ सतत परामर्श व भारत के सूचना-साझाकरण नेटवर्क से उन्हें मजबूती मिलेगी। तृतीय, संकट आने से पहले ही भरोसा कायम करना। गुरुग्राम स्थित हिंद महासागर क्षेत्र सूचना आदान-प्रदान केंद्र में तटीय राष्ट्रों के संपर्क अधिकारी मौजूद हैं। इसका नेटवर्क जहाजरानी कंपनियों, बीमा कंपनियों और केबल ऑपरेटरों तक होना चाहिए, जिसके लिए प्रोटोकॉल तय हो।

चतुर्थ, समुद्री क्षेत्र सैन्य कार्रवाई कमान का दायरा हिंद महासागर तक फैलाना। नौसेना पहले ही इस दिशा में कार्यरत है। साल 2023 के अंत से, इसने अरब सागर और अदन की खाड़ी से आए आपात-संदेशों पर त्वरित कार्रवाई की, चालक दल बचाए व व्यापारिक जहाजों को सुरक्षा दी। जैसे-जैसे भारत एकीकृत कमान गठित कर रहा है, उनका उद्देश्य निगरानी, सुरक्षा, खोज एवं बचाव, तथा मानवीय मदद जैसे कार्यों की सभी सेवाओं के एकीकरण का हो। संकट-पूर्व ही साझेदार नौसेनाओं संग सहयोग का अभ्यास कर लेना चाहिए। पंचम, वास्तव में सार्थक चीजों पर ध्यान देना। सुरक्षा को लोगों के जीवन और आजीविका के नजरिए से मापें : जरूरी आपूर्ति में रुकावटें कम से कम बने, डेटा केबल और जहाजरानी सेवाओं की बहाली तेजी से करना, और आम परिवारों तथा कमजोर आर्थिकियों पर पड़ने वाले आर्थिक बोझ को कम करना। यह दर्शाएगा कि क्या सुरक्षा पर किया खर्च असल में आम जीवन को सहारा दे रहा है।

– लेखक सेना की पश्चिमी कमान के पूर्व कमांडर व पुणे इंटरनेशल सेंटर के संस्थापक ट्रस्टी हैं।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

सुरक्षा संतृप्ति अभियान के अंतर्गत शिविर का आयोजन

दुर्ग। वित्तीय समावेशन विभाग भारत सरकार नई दिल्ली के निर्देशानुसार देश के सभी जिलों में जन सुरक्षा संतृप्ति अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी कड़ी में कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह के निर्देश पर जिला अग्रणी बैंक कार्यालय एवं ब्रांच मैनेजर राखी नागचौधरी के मार्गदर्शन में पाटन विकासखंड अंतर्गत बैंक ऑफ बड़ौदा की रानीतरई शाखा द्वारा ग्राम पंचायत कौही में विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में क्षेत्र के ग्रामीणों को केंद्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी एवं वित्तीय समावेशन योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई। साथ ही पात्र हितग्राहियों का बैंक मित्र के माध्यम से विभिन्न योजनाओं में पंजीयन कर उन्हें लाभान्वित किया गया। इस दौरान प्रधानमंत्री जन धन योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, अटल पेंशन योजना सहित विभिन्न जन सुरक्षा योजनाओं के अंतर्गत हितग्राहियों का नामांकन किया गया। इसके अतिरिक्त खाताधारकों की री-केवाईसी, सी-केवाईसी, अकाउंट खोलने सहित अन्य बैंकिंग सेवाओं से संबंधित कार्य भी किए गए।

वेतन विसंगति पर स्वास्थ्य कर्मचारियों को शासन की पहल का इंतजार

भिलाई। छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ ने राज्य के स्वास्थ्य कर्मियों की वर्षों से लंबित वेतन विसंगति को दूर करने की मांग एक बार फिर पुरजोर तरीके से उठाई है। संघ के प्रदेश महामंत्री सैय्यद असलम ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल से आग्रह किया है कि जिस प्रकार राज्य सरकार ने पशुपालन विभाग के कर्मचारियों की वेतन विसंगति को दूर कर आदेश जारी किया है, उसी तर्ज पर स्वास्थ्य विभाग के विभिन्न संवर्गों की वेतन विसंगति को भी तत्काल समाप्त किया जाए। प्रदेश महामंत्री सैय्यद असलम ने कहा कि राज्य शासन द्वारा हाल ही में पशुपालन विभाग के सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारियों का ग्रेड-पे बढ़ाकर 2800 रुपये किया गया है, जो एक स्वागत योग्य कदम है। उन्होंने मांग की कि इसी क्रम में स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों की वेतन विसंगति दूर कर शीघ्र आदेश प्रसारित किया जाना चाहिए। संघ का मानना है कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा केंद्रीय वेतनमान लागू नहीं किए जाने के कारण विभिन्न कैडरों में भारी विसंगति व्याप्त है, और प्रत्येक नए वेतन आयोग के समय सुधार न होने से यह अंतर और अधिक बढ़ता जा रहा है।

विद्यार्थियों को साइबर अपराध से बचने उपाय बताए

भिलाई। जामुल के डॉ. मनराखन लाल साहू शासकीय महाविद्यालय, दुर्ग में राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत साइबर अपराध: कारण एवं बचाव, विषय पर जागरूकता सेमिनार आयोजित हुआ। दुर्ग रेंज साइबर सेल के नोडल अधिकारी डॉ. संकल्प राय ने सोशल मीडिया के जरिए होने वाली ठगी, डिजिटल अरेस्ट, डीपफेक, ब्लैकमेलिंग, मैट्रिमोनियल साइट और डेटिंग एप से जुड़े जोखिमों पर उदाहरणों सहित जानकारी दी।

परमात्मा के दिव्य गुणों को अपने जीवन में धारण करें : राजयोगिनी जयंती दीदी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। वर्तमान समय की परिस्थितियों में स्वयं को आध्यात्मिक शक्तियों से संपन्न बनाकर अन्य आत्माओं के परिवर्तन के निमित्त बनना है। विश्व में अनेक हलचलें एवं आपदा के समय परमात्म अवतरण और देवभूमि भारत विश्व की आध्यात्मिक शक्तियों का मुख्य केंद्र बनेगा। इसके लिए प्रत्येक मनुष्य आत्मा को मनसा, वाचा और कर्मणा शक्तियों से संपन्न बनना आवश्यक है।

उक्त उद्गार नारी शक्ति नेतृत्व द्वारा अंतरराष्ट्रीय आध्यात्मिक संस्था प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी जयंती दीदी ने सेक्टर-7 स्थित पीस ऑडिटोरियम में कही। उन्होंने कहा कि राजयोग के माध्यम से परमात्मा से सर्व संबंध जोड़कर अपने संस्कारों को श्रेष्ठ एवं दिव्य बनाना है। हमारे विचार ही हमारे जीवन को प्रभावित करते हैं, इसलिए व्यर्थ एवं नकारात्मक विचारों से दूर रहकर सकारात्मक विचारों का सृजन करें।



राजयोगिनी जयंती दीदी ने कहा कि बाह्य परिस्थितियां कैसी भी हों, मन को शांत, स्थिर एवं एकाग्र रखें। प्रत्येक कर्म में श्रेष्ठ भावना, सत्यता, प्रेम, नम्रता और निर्मलता होनी चाहिए। आपने बताया शांति की शक्ति अर्थात् पावर ऑफसाइलेंस के अभ्यास से पहले स्वयं का परिवर्तन करें, तभी हम दूसरों के परिवर्तन के निमित्त बन सकेंगे। विश्व में घटित होने वाली घटनाओं एवं समाचारों का प्रभाव अपनी मन:स्थिति पर नहीं पड़ने देना है। यदि हमारा मन ही व्यर्थ विचारों में उलझा रहेगा, तो हम दूसरों की मदद कैसे कर सकेंगे? इसलिए धैर्यता,दया, शांति एवं सत्यता जैसे परमात्मा के दिव्य गुणों को अपने जीवन में धारण करें। उन्होंने आत्मिक स्थिति का अभ्यास कराते हुए कहा कि प्रत्येक कार्य साक्षी भाव से करें। परमात्मा कल्याणकारी है, इसलिए हमें भी प्रत्येक मनुष्य आत्मा के प्रति कल्याणकारी दृष्टिकोण एवं शुभभावना सदा रखनी है। साथ ही प्रकृति और पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी भी अवश्य निभाए । कार्यक्रम का शुभारंभ डिवाइन ग्रुप के बच्चों द्वारा 'समर्पण को तेरे प्रणाम' गीत पर प्रस्तुत सुंदर स्वागत नृत्य से हुआ।

दुर्ग में चेक बाउंस के 312 विवादों का अंत 7.81 करोड़ से अधिक की समझौता राशि

■ दुर्ग की विशेष लोक अदालत में आपसी सहमति से मिली न्याय को नई गति

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। एक चेक बाउंस होता है, तो विवाद केवल एक भुगतान तक सीमित नहीं रहता। उसके साथ समय, धन, व्यावसायिक संबंध और कभी-कभी वर्षों तक चलने वाली न्यायिक प्रक्रिया भी जुड़ जाती है। ऐसे विवादों में यदि दोनों पक्षों को बातचीत और आपसी सहमति से समाधान का अवसर मिले, तो न्याय केवल शीघ्र ही नहीं मिलता, बल्कि विवाद को स्थायी विराम भी मिल सकता है।

इसी सोच को जमीन पर उतारते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा आज परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881 की धारा 138 के अंतर्गत वर्ष 2026 की द्वितीय विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया। इस पहल के परिणामस्वरूप जिले में कुल 312 न्यायालयीन प्रकरणों का निराकरण हुआ तथा कुल 7,81,21,753 (सात करोड़ इक्यासी लाख इक्कीस हजार सात सौ तिरपन रुपए) की समझौता राशि निर्धारित हुई।



विवादों का आपसी सहमति से समाधान

विशेष लोक अदालत को जिले के विभिन्न न्यायालयों तक पहुंचाने के लिए कुल 17 खंडपीठों का गठन किया गया। इनमें जिला न्यायालय दुर्ग में 14, व्यवहार न्यायालय भिलाई-3 में 1, व्यवहार न्यायालय पाटन में 1 तथा व्यवहार न्यायालय धमधा में 1 खंडपीठ गठित की गई। प्रात: 10:30 बजे माननीय शेख अशरफ प्रथम, जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, दुर्ग द्वारा दीप प्रज्वलित कर विशेष लोक अदालत का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट भूपेश कुमार बसंत सहित अन्य उपस्थित रहे।

मुकदमे से समझौते तक : लोक अदालत की सार्थक भूमिका

चेक बाउंस से संबंधित विवादों में अक्सर भुगतान की देनदारी और आपसी विश्वास का प्रश्न जुड़ा होता है। ऐसे मामलों में लंबी न्यायिक प्रक्रिया के स्थान पर आपसी बातचीत और सहमति से समाधान का अवसर देना विशेष लोक अदालत का महत्वपूर्ण उद्देश्य है। लोक अदालत के माध्यम से पक्षकारों को ऐसा मंच उपलब्ध कराया गया, जहां वे बिना अनावश्यक विवाद बढ़ाए अपनी बात रख सकें और आपसी सहमति से प्रकरण का समाधान कर सकें। इससे न केवल न्यायालयों में लंबित प्रकरणों के बोझ को कम करने में सहायता मिलती है, बल्कि पक्षकारों के समय, धन और श्रम की भी बचत होती है। साथ ही व्यावसायिक एवं सामाजिक संबंधों को अनावश्यक कटुता से बचाने का अवसर मिलता है। विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 की मूल भावना के अनुरूप आयोजित यह विशेष लोक अदालत इस बात को रेखांकित करती है कि न्याय का उद्देश्य केवल विवादों का निर्णय करना नहीं, बल्कि जहां संभव हो, वहां पक्षकारों को सहमति के आधार पर स्थायी समाधान उपलब्ध कराना भी है।

संवाद और सहमति से सुलभ न्याय की दिशा में एक और कदम

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग के सचिव श्री उमेश कुमार भागवतकर ने विशेष लोक अदालत की सफलता में सहयोग प्रदान करने वाले सभी न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं, न्यायालयीन कर्मचारियों तथा पक्षकारों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भविष्य में भी आपसी सहमति, संवाद और समझौते की भावना को प्रोत्साहित करते हुए न्याय को अधिक सरल, सुलभ और प्रभावी बनाने के प्रयास निरंतर जारी रहेंगे।

72 घंटे में बीमा कंपनी को देनी होगी फसल नुकसान की सूचना



■ फसल नुकसान की सूचना के लिए टोल फ्री नंबर 14447 जारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। चक्रवाती तूफान 'अकवान' के प्रभाव से हुई असामान्य बारिश को देखते हुए कृषि विभाग ने किसानों से फसल नुकसान की सूचना एवं बीमा दावा प्रक्रिया के संबंध में अपील की है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत फसल नुकसान होने पर किसानों को 72 घंटे के भीतर बीमा कंपनी के टोल फ्री नंबर 14447 पर सूचना देना अनिवार्य है।

इसके अलावा किसान भाई PMFBY के टोल फ्री नंबर 7065514447 पर भी विवरण भेज सकते हैं अथवा pmfby.gov.in पोर्टल पर जाकर अपनी शिकायत दर्ज कर सकते हैं। किसान गूगल प्ले स्टोर से 'क्रॉप इंश्योरेंस ऐप' डाउनलोड कर फसल हानि का विवरण स्वयं भी दर्ज कर सकते हैं। उप संचालक कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी अनुसार सूचना प्राप्त होने के बाद बीमा कंपनी 10 दिनों के भीतर सर्वे करेगी। कटाई के बाद खेत में खलिहान में रखी धान की फसल (करपा) के नुकसान के लिए कटाई उपरांत 14 दिनों तक बीमा सुरक्षा का प्रावधान है। ऐसी स्थिति में जलभराव अथवा बारिश से नुकसान की स्थिति में फसल कटाई प्रयोग से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर बीमा दावा भुगतान की गणना की जाएगी। किसानों को नुकसान की सूचना देते समय अपना नाम, मोबाइल नंबर, ग्राम, तहसील, जिला, खसरा नंबर, बीमित फसल, बीमा पॉलिसी नंबर, नुकसान का विवरण एवं तारीख बतानी होगी। कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि फसल नुकसान होने पर तत्काल सूचना दें।

भिलाई इस्पात संयंत्र में लार्ज ग्रुप इंटरेक्शन के माध्यम से सुरक्षा पर व्यापक संवाद

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र में सुरक्षा संस्कृति को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से प्रत्येक शनिवार आयोजित किए जा रहे लार्ज ग्रुप इंटरेक्शन की कड़ी में 7वें एलजीआई का आयोजन 21 नवम्बर 2026 को मानव संसाधन-ज्ञानार्जन एवं विकास केंद्र में किया गया। इस अवसर पर संयंत्र के निदेशक प्रभारी चित्त रंजन महापात्र, कार्यपालक निदेशक पवन कुमार तथा कार्यकारी कार्यपालक निदेशक (वर्क्स) बीके बेहेरा ने अधिकारियों, कार्मिकों, पर्यवेक्षकों, ठेका श्रमिकों एवं सेफ्टी वॉरियर्स के साथ सीधा संवाद किया तथा कार्यस्थल पर सुरक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किया।

कार्यक्रम का उद्देश्य 'मेरा क्षेत्र, मेरी जिम्मेदारी' की भावना को प्रोत्साहित करना, सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान करना तथा 'लाइन ऑफ फायर' से जुड़े संभावित खतरों के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। इस दौरान कार्यस्थल पर मोबाइल फोन के उपयोग से बचने, सीमित



स्थानों में सुरक्षित तरीके से कार्य करने तथा एफ्आरटी हेलमेट के उपयोग को प्रोत्साहित करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। 'लाइन ऑफ फायर' के अंतर्गत अनियंत्रित ऊर्जा मुक्त होने से उत्पन्न जोखिमपूर्ण स्थितियों तथा उनसे बचाव के उपायों पर चर्चा की गई। साथ ही, कार्यस्थल पर संभावित खतरों की पहचान कर जोखिमों का आकलन करने और निर्धारित सुरक्षा प्रक्रियाओं का पालन करते हुए आवश्यक सावधानियां बरतने के महत्व पर जोर दिया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सुरक्षित इस्पात उत्पादन सुनिश्चित करने के साथ-साथ प्रत्येक कार्मिक की व्यक्तिगत जिम्मेदारी को मजबूत करना और यह सुनिश्चित करना था।

शासकीय फिजियोथेरेपी कॉलेज में 'दीक्षारंभ' कार्यक्रम मुख्य अतिथि ने विद्यार्थियों को वितरित किए प्रमाणपत्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। शासकीय फिजियोथेरेपी महाविद्यालय, दुर्ग के बीपीटी प्रथम वर्ष के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए आयोजित छह दिवसीय 'दीक्षारंभ' इंडक्शन एवं ओरिएंटेशन कार्यक्रम का समापन 21 नवंबर 2026 को गरिमामय समारोह के साथ हुआ।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को फिजियोथेरेपी शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा प्रणाली, व्यावसायिक नैतिकता, क्लिनिकल कार्यप्रणाली एवं भविष्य की व्यावसायिक जिम्मेदारियों से परिचित कराना था। समापन समारोह में डॉ. तृप्ति नगरिया, अधिष्ठाता, चंदूलाल चंद्राकर स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय,



दुर्ग मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र वितरित कर उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि चिकित्सा से जुड़े सभी व्यवसायों में फिजियोथेरेपी एक महत्वपूर्ण एवं संतोष प्रदान करने वाला पेशा है, जिसमें मरीजों से मिलने वाला धन्यवाद और आशीर्वाद सबसे बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि जब व्यक्ति अपने क्षेत्र में विशेषज्ञता हासिल करता है, तब वह मरीजों को प्रभावी एवं त्वरित लाभ पहुँचाने में सक्षम होता है। फिजियोथेरेपी भी ऐसा ही प्रभावी उपचार माध्यम है, जिसके सकारात्मक परिणाम उन्होंने स्वयं अनुभव किए हैं।

उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर ज्ञान एवं कौशल विकसित करने तथा समर्पण के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। छह दिवसीय कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञ व्याख्यान, संवादात्मक गतिविधियाँ एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण आयोजित किए गए। फिजियोथेरेपी व्यवसाय का परिचय, भारत में कार्यक्षेत्र, स्वास्थ्य सेवाओं में भूमिका एवं एनसीएएचपी अधिनियम पर डॉ. प्रिया देशमुख ने व्याख्यान दिया। विद्यार्थियों को आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं के लिए तैयार करने हेतु बेसिक लाइफ सपोर्ट एवं कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन का सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण डॉ. मनीष कुमार निश्चेतना विभाग द्वारा दिया गया।

'चित्र देखें-कविता लिखें' प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के राजभाषा विभाग द्वारा आयोजित 'नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, भिलाई-दुर्ग' स्तरीय 'चित्र देखें-कविता लिखें' प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण समारोह भिलाई इस्पात संयंत्र के मानव संसाधन विकास केंद्र स्थित सभागार में मेकॉन लिमिटेड के मुख्य महाप्रबंधक श्री राजेश कुमार पिल्लै के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर पुरस्कार विजेताओं सहित बड़ी संख्या में हिंदी प्रेमी कार्मिक उपस्थित थे।

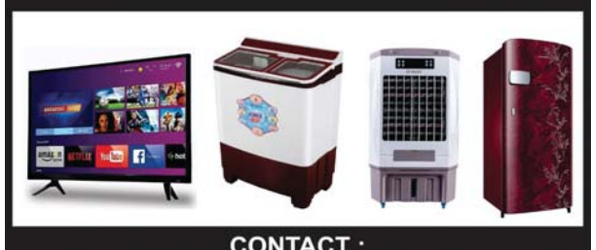
कार्यक्रम का शुभारंभ सहायक प्रबंधक बीआर मसराम द्वारा मुख्य अतिथि राजेश कुमार पिल्लै का पुस्तक भेंटकर स्वागत करने के साथ हुआ। तत्पश्चात उप प्रबंधक जितेन्द्र दास मानिकपुरी ने प्रतियोगिता की संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत की।



प्रतियोगिता में भिलाई इस्पात संयंत्र की महाप्रबंधक अमृता गंगराडे ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। द्वितीय स्थान पर बीएसएनएल, दुर्ग के प्रबंधक (भारतनेट) श्री राजदत्त गजभिये रहे, जबकि तृतीय स्थान भिलाई इस्पात संयंत्र के जेईए अपु बेहेरा ने प्राप्त किया। सांत्वना पुरस्कार विजेताओं में भिलाई इस्पात संयंत्र की अनुभाग सहयोगी कंचन तिवारी, व्याख्याता केदार नाथ सोनबेर, इंजीनियरिंग एसोसिएट मनोज कुमार, इंजीनियरिंग एसोसिएट विजेन्द्र कुमार वर्मा, केंद्रीय विद्यालय, दुर्ग के स्नातक शिक्षक डॉ. अजय आर्य एवं भिलाई इस्पात संयंत्र के सहायक प्रबंधक अनिल कुमार अग्रवाल शामिल रहे।

मुख्य अतिथि राजेश कुमार नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, भिलाई-दुर्ग' का इतिहास अत्यंत गौरवशाली रहा है। सदस्य संस्थानों तथा नराकास, भिलाई-दुर्ग के संयोजक संस्थान भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा समय-समय पर आयोजित विभिन्न सार्थक एवं बहुउद्देशीय प्रतियोगिताओं तथा राजभाषा नीति के प्रभावी कार्यान्वयन का ही परिणाम है कि नराकास को राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय स्तर पर निरंतर पुरस्कार प्राप्त होते रहे हैं। उन्होंने विजेता प्रतिभागियों को बधाई दी तथा अन्य प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए आशा व्यक्त की कि वे आगामी आयोजनों में बेहतर प्रदर्शन कर उच्च स्थान प्राप्त करेंगे।

स्वागत उद्बोधन में जितेन्द्र दास मानिकपुरी ने कहा कि नराकास स्तरीय प्रतियोगिताओं के आयोजन से न केवल हिंदी भाषा का प्रचार-प्रसार होता है, बल्कि हिंदी के प्रति अनुराग भी जागृत होता है। इसके साथ ही नराकास के सदस्य संस्थानों के कार्मिकों के बीच समन्वय एवं सहकार की भावना का भी विकास होता है। उन्होंने सभी सदस्य संस्थानों से वर्ष में कम से कम एक नराकास स्तरीय आयोजन करने का आग्रह किया। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में भारतीय जीवन बीमा निगम, भिलाई के मुख्य प्रबंधक श्री एस.आर. विश्वनाथन, भिलाई इस्पात संयंत्र की महाप्रबंधक शिवानी जत्रेले एवं यूको बैंक, सेक्टर-1, भिलाई के मुख्य प्रबंधक सुभाष कुमार शामिल थे। कार्यक्रम को प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल के सदस्य एसआर विश्वनाथन एवं सुश्री शिवानी जत्रेले ने भी संबोधित किया। उन्होंने सभी प्रतिभागियों की कविताओं की सराहना करते हुए लेखन में बेहतर प्रदर्शन के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए। साथ ही हिंदी साहित्य सृजन के महत्व एवं उससे होने वाले लाभों पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन उप प्रबंधक जितेन्द्र दास मानिकपुरी ने किया।

Since 1972
CROWN®-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास खबर

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश के करोड़ों लोगों को गरीबी से मिली मुक्ति : मुख्यमंत्री साय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने विश्व बैंक की रिपोर्ट में भारत में गरीबी में आई कमी को लेकर पत्रकारों द्वारा पूछे गए प्रश्न का जवाब देते हुए कहा कि विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार पिछले 12 वर्षों में देश के लगभग 50 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं। यह देश के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण उपलब्धि है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि यह उपलब्धि आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की दूरदर्शी सोच, दृढ़ इच्छाशक्ति और गरीब कल्याण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का परिणाम है। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में देश में गरीबों के जीवन स्तर में सुधार की दिशा में निरंतर कार्य हुए हैं। मुख्यमंत्री साय ने इस उपलब्धि के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उन्हें हृदय से धन्यवाद दिया।

विश्व मात्स्यिकी दिवस पर संभाग स्तरीय कार्यक्रम आयोजित

अम्बिकापुर। विश्व मात्स्यिकी दिवस 2026 के अवसर पर आज ऑडिटोरियम, पी.जी. कॉलेज अंबिकापुर, में संभाग स्तरीय एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संभाग के सभी जिलों से लगभग 400 मत्स्य कृषकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत सरगुजा के उपाध्यक्ष देवनारायण यादव उपस्थित रहे। इसके साथ ही जिला पंचायत की कृषि स्थायी समिति की सभापति दिव्या सिंह सिसोदिया, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती अनिमा केरकेट्टा एवं नानमणि पैंकरा सहित मछुआ समाज के प्रतिनिधि, संभाग के विभिन्न जिलों के अधिकारी एवं मत्स्य निरीक्षक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान मत्स्य कृषकों को मछली पालन की आधुनिक तकनीकों एवं स्वरोजगार की संभावनाओं से अवगत कराया गया। इस दौरान झींगा पालन, तिलापिया पालन, एनएफडीपी पोर्टल में मत्स्य कृषकों का पंजीयन तथा प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत संचालित विभिन्न गतिविधियों एवं योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी गई। अधिकारियों एवं विशेषज्ञों ने मत्स्य कृषकों को योजनाओं का लाभ लेने, आधुनिक तकनीकों को अपनाने तथा मत्स्य उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया।

'बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़' अभियान के तहत उन्मुखीकरण कार्यशाला आयोजित

बालोद। कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा के निर्देशानुसार एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी के मार्गदर्शन तथा जिला बाल संरक्षण अधिकारी गजानंद साहू के नेतृत्व में 'बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़' अभियान के अंतर्गत बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारियों हेतु परियोजना स्तरीय उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के विभिन्न विधिक प्रावधानों, जिले में बाल विवाह की वर्तमान स्थिति, मैदानी स्तर पर आने वाली चुनौतियों तथा इस सामाजिक बुराई की प्रभावी रोकथाम की कार्ययोजना पर विस्तार से सारगर्भित चर्चा की गई। अधिकारियों द्वारा क्षेत्र में सघन निगरानी रखने और बाल विवाह की सूचना मिलने पर तत्काल वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम के दौरान जागरूकता बैनर एवं पोस्टरों के माध्यम से बाल संरक्षण और महिला सशक्तीकरण से संबंधित प्रेरक संदेश भी प्रसारित किए गए।

भारत मंडपम में छत्तीसगढ़ की समृद्ध कला, संस्कृति और शिल्प परंपराओं की बिखरी अनुपम छटा

संस्कृति विभाग के संचालक डॉ. संजय कन्नौजे ने भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में छत्तीसगढ़ पवेलियन का किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में छत्तीसगढ़ की समृद्ध कला, संस्कृति, परंपराओं और शिल्प कौशल की मनोहारी झलक देखने को मिल रही है। मेले में स्थापित छत्तीसगढ़ पवेलियन प्रदेश की गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत, जनजातीय अस्मिता और पारंपरिक हस्तशिल्प की विशिष्ट पहचान को प्रदर्शित कर रहा है। संस्कृति विभाग, छत्तीसगढ़ शासन के संचालक डॉ. संजय कन्नौजे ने छत्तीसगढ़ पवेलियन का निरीक्षण कर वहां प्रदर्शित विभिन्न कलाकृतियों, पारंपरिक वस्त्रों, कोसा रेशम तथा जनजातीय संस्कृति पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया।



निरीक्षण के दौरान डॉ. कन्नौजे ने छत्तीसगढ़ की पारंपरिक शिल्पकला, हस्तनिर्मित उत्पादों और सांस्कृतिक विरासत के विविध स्वरूपों की जानकारी ली। उन्होंने प्रदेश के शिल्पकारों की कलात्मक प्रतिभा, परंपरागत कौशल और पीढ़ियों से संरक्षित सांस्कृतिक धरोहर के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की लोककला, जनजातीय संस्कृति और पारंपरिक शिल्प हमारी सांस्कृतिक पहचान के महत्वपूर्ण आधार हैं। इनका संरक्षण, संवर्धन और व्यापक प्रचार-प्रसार प्रदेश की सांस्कृतिक समृद्धि को नई पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

छत्तीसगढ़ पवेलियन में प्रदर्शित कोसा रेशम से निर्मित वस्त्र, पारंपरिक परिधान और हस्तशिल्प उत्पाद प्रदेश की विशिष्ट शिल्प परंपराओं का परिचय दे रहे हैं। छत्तीसगढ़ का कोसा रेशम अपनी उत्कृष्ट गुणवत्ता, प्राकृतिक सौंदर्य और विशिष्ट बुनाई शैली के लिए प्रसिद्ध है। वहीं जनजातीय जीवनशैली से प्रेरित कलाकृतियां प्रदेश की सांस्कृतिक विविधता, लोकविश्वास, परंपराओं और प्रकृति के साथ गहरे जुड़ाव को अभिव्यक्त कर रही हैं।

डॉ. कन्नौजे ने कहा कि भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला जैसे प्रतिष्ठित आयोजन छत्तीसगढ़ की कला और संस्कृति को देश-दुनिया के सामने प्रस्तुत करने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करते हैं। ऐसे आयोजनों के माध्यम से प्रदेश के पारंपरिक शिल्प, हस्तनिर्मित उत्पादों और जनजातीय कलाओं को व्यापक पहचान मिलने के साथ ही स्थानीय कलाकारों एवं शिल्पकारों के लिए नए अवसरों की संभावनाएं भी बढ़ती हैं।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत केवल हमारी ऐतिहासिक पहचान ही नहीं, बल्कि लोकजीवन, परंपराओं और सामुदायिक मूल्यों की जीवंत अभिव्यक्ति भी है। प्रदेश के विभिन्न अंचलों में प्रचलित लोककलाएं, पारंपरिक वस्त्र, शिल्पकला और जनजातीय परंपराएं हमारी सांस्कृतिक विविधता को समृद्ध बनाती हैं। इन परंपराओं को नई पीढ़ी से जोड़ना तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंचों पर प्रतिष्ठित करना अत्यंत आवश्यक है।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ अपनी विशिष्ट जनजातीय संस्कृति, बेलमेटल शिल्प, ढोकरा कला, लौह शिल्प, काष्ठ शिल्प, बांस शिल्प तथा कोसा वस्त्रों के लिए विशेष पहचान रखता है। प्रदेश की पारंपरिक कलाओं में स्थानीय समुदायों की जीवनशैली, प्रकृति के प्रति आस्था और पीढ़ियों से चली आ रही कलात्मक परंपराओं की झलक दिखाई देती है। इन कलाओं का संरक्षण सांस्कृतिक विरासत को सहेजने के साथ-साथ पारंपरिक शिल्प से जुड़े समुदायों की आजीविका और आर्थिक सशक्तीकरण की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है।

भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में छत्तीसगढ़ पवेलियन के माध्यम से प्रदेश की सांस्कृतिक समृद्धि, पारंपरिक शिल्प कौशल और जनजातीय अस्मिता को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया जा रहा है। यह आयोजन छत्तीसगढ़ की गौरवशाली विरासत को व्यापक मंच प्रदान करने के साथ ही प्रदेश की कला, संस्कृति और शिल्प परंपराओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने का महत्वपूर्ण माध्यम बन रहा है।

मेधावी विद्यार्थियों को मिला सफलता का मंत्र, वित्त मंत्री ने किया प्रेरित

बड़े सपने देखें, लक्ष्य तय करें और मेहनत से उसे हासिल करें-वित्त मंत्री चौधरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। विकासखंड पुसौर के लगभग 100 मेधावी विद्यार्थियों के लिए प्रदेश के वित्त मंत्री ओ.पी.चौधरी से मुलाकात प्रेरणादायी और यादगार अनुभव बन गई। शैक्षिक भ्रमण पर रायपुर पहुंचे विद्यार्थियों ने वित्त मंत्री चौधरी के निज निवास पर उनसे आत्मीय मुलाकात की। इस दौरान चौधरी ने विद्यार्थियों से खुलकर संवाद किया और शिक्षा, करियर चयन, प्रतियोगी परीक्षाओं तथा जीवन में सफलता के विभिन्न पहलुओं पर उनका मार्गदर्शन किया।

संवाद के दौरान विद्यार्थियों ने उच्च शिक्षा के अवसरों, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, करियर चयन और लक्ष्य निर्धारण से जुड़े कई सवाल पूछे। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने उनकी जिज्ञासाओं का सहजता से समाधान करते हुए कहा कि जीवन में बड़े सपने देखना जरूरी है, लेकिन उन्हें साकार करने के लिए स्पष्ट लक्ष्य, नियमित अध्ययन, अनुशासन और निरंतर मेहनत भी उतनी ही आवश्यक है।



उन्होंने विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने और समय का सदुपयोग करने की सीख दी। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने विद्यार्थियों को शिक्षा का महत्व बताते हुए कहा कि शिक्षा जीवन में आगे बढ़ने और बेहतर भविष्य बनाने का मजबूत आधार है। उन्होंने कहा कि सफलता की राह में आने वाली असफलताओं से घबराना नहीं चाहिए, बल्कि उनसे सीख लेकर नए उत्साह के साथ आगे बढ़ना चाहिए। आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच और निरंतर प्रयास से हर लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। उन्होंने अपने अनुभव भी विद्यार्थियों के साथ साझा किए और उन्हें अपनी क्षमताओं पर भरोसा रखते हुए आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

वित्त मंत्री चौधरी का सहज और आत्मीय संवाद विद्यार्थियों के लिए विशेष रूप से प्रेरणादायक रहा। उन्होंने न केवल विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया, बल्कि उनके साथ आत्मीयता से समय भी बिताया। इस अवसर पर उन्होंने अपने निज निवास पर सभी विद्यार्थियों के लिए भोजन की व्यवस्था भी कराई। उनके इस स्नेहपूर्ण व्यवहार से विद्यार्थी काफी उत्साहित और अभिभूत नजर आए। पुसौर विकासखंड के मेधावी एवं जिला स्तरीय विज्ञान क्विज प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थियों के लिए यह मुलाकात केवल एक औपचारिक भेंट तक सीमित नहीं रही, बल्कि उन्हें जीवन में बड़े लक्ष्य निर्धारित करने, आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने और सफलता के लिए निरंतर प्रयास करने की नई प्रेरणा दे गई।

जिला न्यायालय बालोद में स्पेशल लोक अदालत का हुआ आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज



बालोद। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के निर्देशानुसार जिले के सभी न्यायालयों में 21 नवंबर 2026 को स्पेशल लोक अदालत (धारा 138 परक्राम्य लिखत अधिनियम) का आयोजन किया गया। जिनमें राजीनामा योग्य प्रकरणों में पक्षकारों की आपसी सहमति व सुलह समझौता से निराकृत किये गये है। प्रकरणों के पक्षकारों की भौतिक तथा वर्चुअल दोनों ही माध्यमों से उनकी उपस्थिति में निराकृत किये जाने संबंधित प्रकरणों को निराकृत किया गया। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भी लगातार अधिक से अधिक मामलों को निराकृत किये जाने हेतु प्रेरित किया।

जिला व सत्र न्यायालय बालोद एवं व्यवहार न्यायालय स्तर पर डौण्डीलोहारा, दल्लीराजहरा, गुण्डरदेही न्यायालयों में भी स्पेशल लोक अदालत का आयोजन किया गया। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्याम लाल नवरत्न के निर्देशानुसार इस लोक अदालत के लिए बालोद जिले में कुल 05 खण्डपीठ का गठन किया गया। इस स्पेशल लोक अदालत में खंडपीठ के समक्ष कुल 532 प्रकरण निराकरण हेतु रखे गये थे, जिसमें 18 प्रकरणों का निराकरण स्पेशल लोक अदालत के माध्यम से किया गया। इस लोक अदालत में कुल 3,91,57,204 रूपए राशि का अवार्ड पारित किया गया है।

चार जिलों में निर्माण कार्यों की पड़ताल, लोक निर्माण विभाग के सचिव ने मौके पर दिए सख्त निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

अम्बिकापुर। लोक निर्माण विभाग के सचिव मुकेश कुमार बंसल ने लगातार दो दिनों तक चार जिलों में सड़कों, पुल-पुलियों, कॉलेजों, अस्पताल और अन्य निर्माण एवं संधारण कार्यों का सघन निरीक्षण किया। उन्होंने जशपुर, सरगुजा, सूरजपुर और बलरामपुर-रामानुजगंज जिलों में विभिन्न निर्माण स्थलों पर पहुंचकर कार्यों की प्रगति और गुणवत्ता परखी तथा अधिकारियों और ठेकेदारों को मौके पर ही आवश्यक निर्देश दिए।

श्री बंसल ने निर्माण कार्यों की धीमी रफ्तार और सड़क संधारण में लापरवाही पर सख्त रुख अपनाते हुए संबंधित ठेकेदारों को नोटिस जारी करने, बैंक गारंटी राजसात करने तथा सुधार नहीं होने पर ब्लैक लिस्ट करने



के निर्देश दिए। उन्होंने निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी, गुणवत्ता मानकों के पालन और निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने पर विशेष जोर दिया।

लोक निर्माण के सचिव बंसल ने प्रमुख अभियंता व्ही.के. भतपहरी, अंबिकापुर परिक्षेत्र के मुख्य अभियंता के.पी. संत, अंबिकापुर मंडल के अधीक्षण अभियंता आर.एस. तोमर तथा संबंधित संभागों के कार्यपालन अभियंताओं व अनुविभागीय अधिकारियों एवं ठेकेदारों के साथ जशपुर, मनोरा, सन्ना, बगीचा, कांसाबेल, बागबहार, कोतबा, लुड़ेग, सीतापुर, पत्थलगांव, मैनपाट, दरिमा, राजपुर, प्रतापपुर, भैयाथान और सूरजपुर में सड़कों की स्थिति तथा विभिन्न निर्माण कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्यों में अनावश्यक देरी और गुणवत्ता से समझौता नहीं होना चाहिए। उन्होंने सड़क संधारण में लापरवाही बरतने वाले ठेकेदारों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा।

सरगुजा जिले में दरिमा-मैनपाट और बरियो-धौरपुर मार्ग के निरीक्षण के दौरान संधारण अवधि में संबंधित ठेकेदारों द्वारा समुचित रखरखाव नहीं किए जाने की स्थिति सामने आई। इस पर सचिव श्री बंसल ने दोनों मार्गों के ठेकेदारों की बैंक गारंटी राजसात करने के संबंध में नियमानुसार नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ठेकेदारों द्वारा संधारण कार्य नहीं किए जाने पर उन्हें ब्लैकलिस्ट किया जाए। उन्होंने दरिमा-मैनपाट मार्ग पर रिटेनिंग वॉल, पुल-पुलियों और गार्डवॉल में पेंटिंग कराने के भी निर्देश दिए।

सोनतराई-मैनपाट मार्ग के निरीक्षण के दौरान बंसल ने कमलेश्वरपुर थाना चौक से कैंप नंबर-2 मंदिर तक 1.20 किलोमीटर लंबाई में फोरलेन सड़क निर्माण के लिए संशोधित प्राक्कलन तैयार कर प्रस्ताव प्रस्तुत करने को कहा। उन्होंने सड़क संधारण कार्यों की नियमित निगरानी और आवश्यक मरम्मत कार्य समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कमलेश्वरपुर में निर्माणाधीन कॉलेज भवन के निरीक्षण के दौरान सचिव बंसल ने आगामी 15 दिसम्बर तक भूतल के 50 प्रतिशत स्लैब की ढलाई और 15 जनवरी 2027 तक भूतल के पूरे स्लैब का निर्माण पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कॉलेज निर्माण के लिए चिह्नांकित भूमि का सीमांकन कराने तथा अवैध कब्जा पाए जाने पर कलेक्टर के साथ समन्वय कर उसे हटाने की कार्रवाई करने को कहा। उन्होंने निर्माणाधीन कॉलेज भवन में टाटा वायरॉन फेंसिंग का कार्य कराने के भी निर्देश दिए गए। मेडिकल कॉलेज अस्पताल भवन के निर्माण कार्य की धीमी प्रगति पर बंसल ने संबंधित ठेकेदार को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्माण कार्य की गुणवत्ता और नियमित निगरानी सुनिश्चित करने के लिए अनुभवी अभियंता नियुक्त करने को कहा। निगरानी व्यवस्था के तहत उप अभियंता को प्रतिदिन, अनुविभागीय अधिकारी को दो दिनों में एक बार तथा अधीक्षण अभियंता और मुख्य अभियंता को प्रत्येक 30 दिनों में निरीक्षण करने के निर्देश दिए।

बेमेतरा में स्पेशल लोक अदालत का सफल आयोजन, चेक बाउंस के 12 प्रकरणों का हुआ निपटारा

श्रीकंचनपथ न्यूज

बेमेतरा। जिला न्यायालय परिसर बेमेतरा में आज राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के मार्गदर्शन में माननीय श्रीमती सरोज नंद दास प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बेमेतरा के निर्देशन में परक्राम्य लिखत अधिनियम 1881 की धारा 138 से संबंधित प्रकरणों के निराकरण हेतु स्पेशल लोक अदालत का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस विशेष लोक अदालत में चेक अनादरण (चेक बाउंस) से संबंधित लंबे समय से लंबित कुल 12 प्रकरणों का आपसी समझौते एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में निराकरण किया गया, जिसमें कुल 51,04,294 रुपये का अवार्ड पारित किया गया।

यह आयोजन राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के



मार्गदर्शन तथा माननीय श्रीमती सरोज नंद दास, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा के निर्देशन में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ देवेन्द्र कुमार, प्रथम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश बेमेतरा द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित न्यायाधीशगण, अधिवक्तागण व कर्मचारीगण को परक्राम्य लिखत अधिनियम की धारा 138 के मामले निराकरण करने हेतु प्रोत्साहित कर शुभकामनाएं दीं।

आयोजित स्पेशल लोक अदालत में जिला स्तर पर खण्डपीठ क्रमांक 01 व 02 तथा तालुका स्तर पर 01 खण्डपीठ का गठन किया गया। सभी खण्डपीठों में न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं, बैंक प्रतिनिधियों, न्यायालयीन कर्मचारियों, पैरालीगल वालेंटियर्स तथा पक्षकारों की सक्रिय सहभागिता से प्रकरणों का आपसी सहमति के आधार पर सफलतापूर्वक निराकरण किया गया। खण्डपीठ क्रमांक 01 श्रीमान् देवेन्द्र कुमार, प्रथम अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, बेमेतरा की अध्यक्षता में लगी। यहां धारा 138 के प्रकरण क्रमांक 37/2024 की अपील में अपीलार्थी/अभियुक्त द्वारा उत्तरवादी/परिवादी को कुल 5,00,000 रुपये प्रदान किया जाना था। पीठासीन अधिकारी एवं सुलहकर्ता द्वारा आपसी संबंध मधुर बनाये रखने हेतु समझाया गया, जो सफल रहा। समझौते के अनुसार अपीलार्थी 5,00,000 रुपये उत्तरवादी को 10,000 रुपये प्रति माह 50 किश्तों में देगा। इसी खण्डपीठ में अपील प्रकरण क्रमांक 28/2024 में आपसी सहमति से 1,50,000 रुपये उत्तरवादी/परिवादी को 5,000 रुपये प्रति माह 30 किश्तों में देने का समझौता हुआ।

अपील प्रकरण क्रमांक 21/2024 में चेक राशि 5,00,000 रुपये थी, जिसमें आपसी संबंध मधुर बनाये रखने हेतु 4,50,000 रुपये में आपसी सहमति से राजीनामा किया गया। इसके साथ ही 4 अन्य 138 के प्रकरणों में भी आपसी सहमति एवं राजीनामा कर प्रकरण समाप्त किया गया। खण्डपीठ क्रमांक 02 में पक्षकारों को आपसी संबंध मधुर बनाये रखने हेतु समझाया गया, जो सफल रहा एवं कुल 04 प्रकरण निराकृत हुए। वहीं तालुका स्तर पर खण्डपीठ क्रमांक 01 में 01 प्रकरण राजीनामा के आधार पर निराकृत हुआ। चेक अनादरण से संबंधित लंबित प्रकरणों का आपसी समझौते एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में त्वरित, सरल एवं कम खर्च में निराकरण किया गया। इससे पक्षकारों को न्यायालय के चक्कर से मुक्ति मिली और उनके आपसी संबंध भी मधुर बने रहे। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा ने कहा है कि लोक अदालत न्याय पाने का सबसे सरल और सुलभ माध्यम है। भविष्य में भी इस तरह की विशेष लोक अदालतों का आयोजन कर अधिक से अधिक प्रकरणों का निराकरण किया जाएगा।

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131
अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

कच्चे अंकुरित अनाज का सेवन क्यों है सेहत के लिए फायदेमंद? जानें इसके लाभ

कच्चे अंकुरित अनाज को सेहत के लिए बहुत अच्छा माना जाता है। ये न केवल स्वाद में अच्छे होते हैं, बल्कि सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होते हैं। अंकुरित अनाज में विटामिन्स, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट्स की मात्रा अधिक होती है, जो शरीर को ऊर्जा देने के साथ-साथ कई बीमारियों से बचाए रखने में मदद कर सकते हैं। आइए जानते हैं कि कच्चे अंकुरित अनाज को खाने से क्या-क्या फायदे हो सकते हैं।



पाचन के लिए है बेहतरीन

कच्चे अंकुरित अनाज का सेवन पाचन के लिए बहुत अच्छा माना जाता है। ये फाइबर से भरपूर होते हैं, जो मल त्याग को आसान बनाते हैं और कब्ज जैसी समस्याओं से राहत दिलाते हैं। इसके अलावा अंकुरित अनाज में मौजूद खास तत्व पाचन को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। नियमित रूप से इन्हें खाने से पेट साफ रहता है और पेट संबंधी बीमारियों का खतरा कम होता है।

वजन को नियंत्रित करने में सहायक

अगर आप वजन नियंत्रित करना चाहते हैं तो इसके लिए भी कच्चे अंकुरित अनाज का सेवन लाभकारी हो सकता है। ये पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं, लेकिन कैलोरी में कम होते हैं। इसलिए इन्हें खाने से पेट भरा हुआ महसूस होता है और ज्यादा खाने की इच्छा कम होती है। अंकुरित अनाज में मौजूद फाइबर चर्बी के अवशोषण को कम करता है, जिससे वजन घटाने में मदद मिलती है।

दिल की सेहत को बढ़ावा

दिल की बीमारियां आजकल आम हो गई हैं। ऐसे में जरूरी है कि हम अपने खाने-पीने का खास ध्यान रखें। इसके लिए कच्चे अंकुरित अनाज का सेवन फायदेमंद हो सकता है। ये खराब कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करके दिल की सेहत में सुधार कर सकते हैं। इसके अलावा इनमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स दिल को स्वस्थ रखते हैं और रक्तचाप को नियंत्रित करने में मदद करते हैं।

प्रतिरक्षा तंत्र को मजबूती

शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली यानी इम्यूनिटी को मजबूत करने में भी कच्चे अंकुरित अनाज फायदेमंद हो सकते हैं। इनमें विटामिन-सी और अन्य एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो इम्यूनिटी को बढ़ावा देने में मदद कर सकते हैं। ये इम्यूनिटी को मजबूती देने के साथ-साथ शरीर को संक्रमण और बीमारियों से लडने की क्षमता भी देते हैं। इसके अलावा इनमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर में मौजूद हानिकारक तत्वों को दूर करने में भी मदद करते हैं।

मधुमेह के जोखिम में कमी

खून में शक्कर की मात्रा बढने से मधुमेह का खतरा हो सकता है, कच्चे अंकुरित अनाज से इस बीमारी के जोखिम कम किए जा सकते हैं। फाइबर शरीर में इंसुलिन के स्तर को नियंत्रित रखने में मदद करता है। इनमें मधुमेह रोधी गुण होते हैं, जो खून में शक्कर की मात्रा को नियंत्रित करने में मदद करते हैं।

बेहतर स्वास्थ्य के लिए सिर्फ पौष्टिक भोजन नहीं, उसे सही तरीके से पकाना भी है जरूरी

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना हर किसी के लिए बहुत जरूरी है। लेकिन इसके साथ ही यह समझना भी जरूरी है कि अच्छा स्वास्थ्य केवल पौष्टिक भोजन खाने से ही नहीं, बल्कि उसे सही तरीके से पकाने पर भी निर्भर करता है। स्मार्ट कुकिंग की आदतें अपनाकर हम भोजन को अधिक पौष्टिक, स्वादिष्ट और स्वास्थ्यवर्धक बना सकते हैं।

खाना पकाते समय छोटी-छोटी सावधानियां लंबे समय तक हमें कई बीमारियों से बचाने में मदद करती हैं। भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि खाना बनाते समय तेल की मात्रा को नियंत्रित करना बहुत आवश्यक है। अक्सर लोग बिना माप के तेल डाल देते हैं, जिससे भोजन में आवश्यकता से अधिक वसा शामिल हो जाती है। इसलिए, तेल डालने के लिए हमेशा चम्मच का उपयोग करना चाहिए। इससे तेल की सही मात्रा का उपयोग होता है और अतिरिक्त कैलोरी से बचाव होता है। कम तेल में बना भोजन हृदय के लिए बेहतर होता है तथा मोटापा, उच्च रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल जैसी समस्याओं के खतरे को भी कम करता है।

दूसरी महत्वपूर्ण आदत है बार-बार तला हुआ भोजन खाने से बचना। तले हुए खाद्य पदार्थ स्वादिष्ट तो लगते हैं, लेकिन इनमें अधिक मात्रा में वसा और कैलोरी होती है। नियमित रूप से समोसा, पकौड़े, चिप्स, पूड़ी या अन्य तले हुए खाद्य पदार्थ खाने से मोटापा, मधुमेह और हृदय रोगों का जोखिम बढ़ सकता है। यदि कभी तला हुआ भोजन खाना भी हो, तो उसे सीमित मात्रा में और कभी-कभार ही खाना चाहिए। दैनिक भोजन में ताजे फल, हरी सब्जियां, दालें और साबुत अनाज को अधिक स्थान देना चाहिए।

स्वस्थ जीवन के लिए खाना पकाने के तरीकों का चुनाव भी बहुत महत्वपूर्ण है। चीजों को तेल में तलने के बजाय भाप में पकाना, भूनना, उबालना या ग्रिल करना अधिक लाभदायक होता है। भाप में पकी सब्जियों में विटामिन और खनिज अधिक मात्रा में सुरक्षित रहते हैं। ग्रिल या रोस्ट किए गए खाद्य पदार्थ कम तेल में तैयार हो जाते हैं और उनका स्वाद भी अच्छा रहता है। इसी प्रकार हल्का भूनकर या उबालकर बनाया गया भोजन पाचन के लिए भी बेहतर माना जाता है।



इसके अलावा, ताजी सामग्री का उपयोग करना, भोजन को अधिक देर तक न पकाना और आवश्यकता से अधिक नमक तथा चीनी का प्रयोग न करना भी स्मार्ट कुकिंग का हिस्सा है। घर का ताजा बना भोजन हमेशा बाहर के जंक फूड की तुलना में अधिक सुरक्षित और पौष्टिक होता है।

प्राणायाम को अपने रूटीन का बनाएं हिस्सा, मिलेंगे ये 5 स्वास्थ्य लाभ



प्राणायाम योग का एक अहम हिस्सा है, जो सांस की गति पर ध्यान केंद्रित करके शरीर और मन को संतुलित करता है। यह न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक सेहत के लिए भी फायदेमंद है। प्राणायाम के अलग-अलग तरीके जैसे अनुलोम-विलोम, कपालभाति, भ्रामरी आदि का नियमित अभ्यास करने से शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ती है और तनाव कम होता है। आइए आज हम आपको प्राणायाम के अभ्यास से मिलने वाले स्वास्थ्य लाभों के बारे में बताते हैं।

तनाव को कम करने में है सहायक

प्राणायाम का नियमित अभ्यास तनाव को कम करने में बहुत मदद कर सकता है। जब हम गहरी सांस लेते हैं तो हमारे शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ जाती है, जो हमारे दिमाग को शांत और संतुलित रखती है। इसके अलावा यह हमारी मानसिक स्थिति को भी सुधारता है और हमें अधिक सकारात्मक महसूस कराता है। प्राणायाम से हमारा ध्यान केंद्रित होता है और हम अपनी चिंताओं से दूर रहते हैं, जिससे तनाव का स्तर कम होता है।

पाचन क्रिया को कर सकता है सुधार

प्राणायाम का नियमित अभ्यास पाचन क्रिया के लिए बहुत फायदेमंद होता है। गहरी सांस लेने से हमारे पेट में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ती है, जो पाचन रसों के उत्पादन को बढ़ाती है और हमारी आंतों को स्वस्थ रखती है। इसके अलावा प्राणायाम से हमारी आंतों की मांसपेशियों में मजबूती आती है, जिससे खाना आसानी से पचता है। नियमित प्राणायाम से कब्ज, गैस जैसी समस्याओं से भी राहत मिलती है और हमारा पाचन तंत्र बेहतर तरीके से काम करता है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ावा देने में है कारगर

प्राणायाम रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में भी मदद करता है। नियमित रूप से प्राणायाम करने से हमारे शरीर की रक्त संचार प्रणाली बेहतर होती है, जिससे पोषक तत्वों और ऑक्सीजन का वितरण पूरे शरीर में सही तरीके से होता है। इसके अलावा प्राणायाम से हमारी श्वसन प्रणाली भी मजबूत होती है, जिससे हम आसानी से सांस ले पाते हैं और हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता बेहतर होती है। इससे हमारा शरीर संक्रमण और बीमारियों से लडने में सक्षम बनता है।

नींद की गुणवत्ता हो सकती है सुधार

प्राणायाम नींद की गुणवत्ता सुधारने में भी मददगार साबित हो सकता है। रात को सोते समय अगर हम कुछ मिनट तक हल्की सांस लेते रहें तो हमारी नींद गहरी होती जाती है और सुबह ताजगी महसूस होती है। प्राणायाम से हमारा मन शांत होता है और हम बेहतर तरीके से आराम कर पाते हैं। इसके अलावा प्राणायाम से हमारी श्वसन प्रणाली भी मजबूत होती है, जिससे हम आसानी से सांस ले पाते हैं।

मानसिक एकाग्रता बढ़ाने में है मददगार

प्राणायाम मानसिक एकाग्रता बढ़ाने में भी सहायक है। जब हम गहरी सांस लेते हैं तो हमारा ध्यान केंद्रित होता है और हम अधिक प्रभावी ढंग से काम कर पाते हैं। प्राणायाम से हमारा मन शांत होता है और हम बेहतर तरीके से सोच पाते हैं। इन सभी लाभों के कारण प्राणायाम को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना बहुत जरूरी है ताकि हम स्वस्थ रह सकें।

'का जादू डारे गोरी रे': छत्तीसगढ़ी गीत से डॉ. अनुष्का सोन (फेमिना मिस इंडिया ईस्ट) और राज चंद्राकर की संगीत जगत में नई शुरुआत

छत्तीसगढ़ की माटी, संस्कृति और अपनी मातृभाषा के प्रति प्रेम को दर्शाता छत्तीसगढ़ी म्यूजिक वीडियो 'का जादू डारे गोरी रे' दर्शकों के बीच एक खास आकर्षण का केंद्र बनने जा रहा है। इस गीत में डॉ. अनुष्का सोन एवं राज चंद्राकर मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। खास बात यह है कि दोनों ही कलाकारों का यह पहला म्यूजिक वीडियो है।



डॉ. अनुष्का सोन ने अपने विभिन्न मीडिया एवं समाचार साक्षात्कारों में यह इच्छा जाहिर की थी कि वह अपने अभिनय करियर की शुरुआत छत्तीसगढ़ की धरती से करना चाहती हैं। अब 'का जादू डारे गोरी रे' गीत के माध्यम से उनका यह सपना साकार हो रहा है। छत्तीसगढ़ी भाषा के गीत से अपने अभिनय सफर की शुरुआत कर उन्होंने अपनी मिट्टी, संस्कृति और मातृभाषा के प्रति अपने लगाव एवं सम्मान को भी अभिव्यक्त किया है।

इस गीत को अपनी सुरीली आवाज दी है लोकप्रिय गायक आचार्य साहू एवं अनीता मंडल ने, जो अपने चर्चित गीत 'मया मया होगे' के लिए भी जाने जाते हैं।

गीत का निर्देशन सुमीत बसईवाला ने किया है। इसका रिकॉर्डिंग एवं संगीत निर्माण 'मां तारा रिकॉर्ड्स छत्तीसगढ़ी' के बैनर तले किया गया है, जबकि निर्माता अनंत कुमार हैं।

'का जादू डारे गोरी रे' केवल एक संगीत वीडियो नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की भाषा, कला, संस्कृति और स्थानीय प्रतिभाओं को मंच देने की दिशा में एक सुंदर पहल है। इस गीत के माध्यम से कलाकारों ने अपनी छत्तीसगढ़ी पहचान और अपनी माटी के प्रति प्रेम को संगीत के जरिए प्रस्तुत किया है।

13 साल बाद साथ आए श्रद्धा आर्या-गौरव खन्ना

अभिनेत्री श्रद्धा आर्या पहली बार एकता कपूर के बालाजी टेलीफिल्म्स के आगामी शो 'दिल की बेवफाइयां' में गौरव खन्ना के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी। अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत में अभिनेता के साथ स्क्रीन शेयर करने का अनुभव साझा किया। श्रद्धा आर्या ने बताया कि तेरह-चौदह साल पहले उन्होंने और गौरव ने साथ में एक इवेंट किया था। उन्होंने कहा, मेरी और गौरव की दोस्ती नई नहीं है, बल्कि बहुत पुरानी है। करीब 13-14 साल पहले हमने साथ में एक इवेंट किया था। उस समय की हमारी तस्वीरें फिर से सामने आई हैं। इसके बाद हम दोनों ने एकता कपूर की दीपावली पार्टी में उन्हीं पुरानी तस्वीरों वाले पोज को रिक्रिएट करके फोटो खिंचवाई। एकता कपूर ने भी वो तस्वीरें शेयर की, जिसे फैंस ने बहुत पसंद किया था। अभिनेत्री ने आगे गौरव खन्ना के साथ एक पुराना किस्सा शेयर करते हुए कहा, कई लोग अक्सर पूछते हैं कि क्या हमने पहले साथ काम किया है। हमने कई साल पहले दूसरे चैनल के लिए लुक टेस्ट भी दिया था, लेकिन वो बात बन नहीं पाई। मुझे लगता है कि 'दिल की बेवफाइयां' ने हमें साथ काम करने का एकदम सही मौका दिया है। शो 'दिल की बेवफाइयां' शादी के कई साल बाद के रिश्ते, अनकही बातों और अधूरी इच्छाओं के इर्द-गिर्द घूमता है।



महिलाओं को नजरअंदाज नहीं करने चाहिए जोड़ों के दर्द से जुड़े ये 5 चेतावनी भरे संकेत

जोड़ों से जुड़ी समस्याएं आजकल हर उम्र के लोगों में देखने को मिल रही हैं, खासकर महिलाओं में यह आम हो गई हैं। कई बार महिलाएं जोड़ों का दर्द जैसे संकेतों को नजरअंदाज कर देती हैं, जिससे स्थिति बिगड़ती है। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे चेतावनी भरे संकेतों के बारे में बताएंगे, जिन्हें नजरअंदाज करना खतरनाक हो सकता है। इन संकेतों को पहचानकर आप समय पर इलाज करा सकती हैं और अपने स्वास्थ्य का ध्यान रख सकती हैं।

सुबह उठते ही जोड़ों में अकडन होना

अगर आपको सुबह उठते ही अपने हाथों या पैरों में अकडन महसूस होती है तो इसे नजरअंदाज न करें। यह गठिया या अन्य किसी गंभीर समस्या का संकेत हो सकता है। इस स्थिति में डॉक्टर से संपर्क करना जरूरी है, ताकि समय पर इलाज मिल सके। सुबह की अकडन अक्सर उम्र बढने, असंतुलित आहार और शारीरिक गतिविधियों की कमी के कारण होती है। सही समय पर पहचान और इलाज से आप इस समस्या से बच सकती हैं।

बैठते या उठते समय दर्द होना

बैठते या उठते समय अगर आपको दर्द होता है तो इसे हल्के में न लें। यह भी गठिया या अन्य किसी समस्या का संकेत हो सकता है। इस स्थिति में डॉक्टर से संपर्क करना जरूरी है, ताकि सही इलाज मिल सके। बैठते या उठते समय दर्द होना कई कारणों से हो सकता है, जैसे गलत तरीके से बैठना, शारीरिक गतिविधियों की कमी या चोट का सही इलाज न होना। सही समय पर इलाज से आप इससे बच सकती हैं।

चलने में दिक्कत होना

अगर आपको चलने में दिक्कत होती है तो इसे नजरअंदाज न करें। यह भी किसी गंभीर समस्या का संकेत हो सकता है। इस स्थिति में डॉक्टर से संपर्क करना जरूरी है, ताकि सही इलाज मिल सके। चलने में दिक्कत होना कई कारणों से हो सकता है, जैसे जोड़ों का कमजोर होना, पुराने चोट का सही इलाज न होना या शारीरिक गतिविधियों की कमी। सही समय पर पहचान और इलाज से आप इस समस्या से बच सकती हैं।

रात में सोते समय टांगों में दर्द होना

रात के समय सोते समय अगर आपकी टांगों में दर्द होता है तो इसे नजरअंदाज न करें। यह भी किसी गंभीर समस्या का संकेत हो सकता है। इस स्थिति में डॉक्टर से संपर्क करना जरूरी है, ताकि सही इलाज मिल सके। रात के समय सोते समय दर्द होना कई कारणों से हो सकता है, जैसे गलत गद्दे या तकिए का इस्तेमाल, पुराने चोट का सही इलाज न होना या शारीरिक गतिविधियों की कमी।

अचानक से वजन कम होना

अगर बिना किसी प्रयास के आपका वजन अचानक से कम हो रहा है तो इसे नजरअंदाज न करें। यह भी किसी गंभीर समस्या का संकेत हो सकता है। इस स्थिति में डॉक्टर से संपर्क करना जरूरी है, ताकि सही इलाज मिल सके। वजन कम होना कई कारणों से हो सकता है, जैसे असंतुलित आहार, तनाव या अन्य स्वास्थ्य समस्याएं। सही समय पर पहचान और इलाज से आप इस समस्या से बच सकती हैं।

खास-खबर

बेमेतरा में 'स्पेशल लोक अदालत' का सफल आयोजन, चेक बाउंस के 12 प्रकरणों का हुआ निपटारा

रायपुर। जिला न्यायालय परिसर बेमेतरा में आज राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के मार्गदर्शन में श्रीमती सरोज नंद दास प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बेमेतरा के निर्देशन में परक्राम्य लिखत अधिनियम 1881 की धारा 138 से संबंधित प्रकरणों के निराकरण हेतु स्पेशल लोक अदालत का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस विशेष लोक अदालत में चेक अनादरण (चेक बाउंस) से संबंधित लंबे समय से लंबित कुल 12 प्रकरणों का आपसी समझौते एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में निराकरण किया गया, जिसमें कुल 51,04,294 रुपये का अवार्ड पारित किया गया। यह आयोजन राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के मार्गदर्शन तथा माननीय श्रीमती सरोज नंद दास, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश / अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा के निर्देशन में किया गया।

खेत बचाओ अभियान के तहत किसानों की समस्याओं पर वैज्ञानिकों ने किया संवाद

रायपुर। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषददूराष्ट्रीय जैविक स्ट्रेस प्रबंधन संस्थान, रायपुर द्वारा संचालित खेत बचाओ अभियानदूरबी 2026 के अंतर्गत आज ग्राम पंचायत पेंड्रीतराई, विकासखंड एवं जिला बेमेतरा में किसान-वैज्ञानिक संवाद एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 37 किसानों ने भाग लिया। कार्यक्रम में संस्थान के वैज्ञानिक डॉ. आशीष मराठे एवं डॉ. निरंजन प्रसाद, कृषि विज्ञान केंद्र से डॉ. लव कुमार तथा कृषि विभाग से डॉ. दर्शमेश कुमार ने किसानों से संवाद किया। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत के सरपंच श्री जमाधर साहू एवं शुभम गंधर्व भी उपस्थित रहे। वैज्ञानिकों ने रबी मौसम में दलहनी फसलों के उत्पादन को बढ़ावा देने, फसल विविधीकरण अपनाने तथा उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग कर उत्पादकता एवं किसानों की आय बढ़ाने की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। हाल ही में चक्रवाती मौसम की परिस्थितियों से उत्पन्न तेज हवाओं एवं वर्षा के संभावित प्रभावों पर चर्चा करते हुए खड़ी फसलों की सुरक्षा, समय पर कटाई तथा कटाई के बाद उपज के सुरक्षित भंडारण के लिए आवश्यक सावधानियों की जानकारी दी गई। इस दौरान किसानों की कृषि संबंधी समस्याओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए रबी फसलों के बेहतर उत्पादन, फसल विविधीकरण एवं जलवायु अनुकूल कृषि पद्धतियों को अपनाने पर जोर दिया गया। मृदा परीक्षण के आधार पर संतुलित उर्वरक उपयोग की आवश्यकता पर चर्चा की।

साहसिक पर्यटन के क्षेत्र में नई पहचान बना रहा जशपुर

जशपुर के पांच आदिवासी युवा अमेरिका की प्रतिष्ठित संस्था से लेंगे रॉक क्लाइंबिंग गाइड का अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ के जनजातीय अंचलों में पर्यटन की संभावनाओं को विकसित करने और स्थानीय युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। इसी कड़ी में जशपुर जिले के पांच आदिवासी युवाओं का अमेरिका की प्रतिष्ठित संस्था प्रोफेशनल क्लाइंबिंग गाइड्स इंस्टीट्यूट के अंतरराष्ट्रीय रॉक क्लाइंबिंग गाइड प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए चयन हुआ है। यह उपलब्धि जशपुर जिले को साहसिक पर्यटन के राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मानचित्र पर नई पहचान दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

प्रशिक्षण के लिए चयनित युवाओं में तेजल भगत, रुसनाथ भगत, सचिन कुजूर, प्रतीक नायक और रवि सिंह शामिल हैं। इन युवाओं को दिसंबर माह में बेंगलुरु में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में रॉक क्लाइंबिंग की



आधुनिक तकनीकों, सुरक्षा मानकों और पेशेवर गाइडिंग का प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह प्रशिक्षण भारत के प्रमुख रॉक क्लाइंबिंग आयोजनों में शामिल त्व्डच् के साथ आयोजित किया जाएगा। प्रशिक्षण एवं मूल्यांकन सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद चार युवाओं को लेवल-1 तथा एक युवा को उन्नत लेवल-2 प्रमाणन मिलने की उम्मीद है।

इस पहल की सफलता के साथ जशपुर मध्य भारत का पहला ऐसा पर्यटन स्थल बनने की दिशा में अग्रसर है, जहां अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रमाणित रॉक क्लाइंबिंग गाइडों की समर्पित टीम उपलब्ध होगी। इससे जिले में साहसिक पर्यटन गतिविधियों का विस्तार होने के साथ स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार और उद्यमिता के नए अवसर विकसित होंगे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गाइड प्रमाणन की सुविधा उपलब्ध होने के साथ जशपुर यह उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है कि दूरदर्शी प्रशासन और समुदाय की भागीदारी से किस तरह भारत को वैश्विक स्तर पर एक भरोसेमंद साहसिक पर्यटन केंद्र के रूप में स्थापित किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में राज्य सरकार जनजातीय क्षेत्रों की प्राकृतिक संपदा, स्थानीय प्रतिभाओं और पर्यटन की संभावनाओं को आजीविका के स्थायी अवसरों से जोड़ने की दिशा में कार्य कर रही है। जशपुर के युवाओं का अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण के लिए चयन इसी दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

साहसिक पर्यटन के क्षेत्र में प्रशिक्षित गाइडों की उपलब्धता और सुरक्षा मानकों का पालन अत्यंत महत्वपूर्ण है। रॉक क्लाइंबिंग जैसी गतिविधियों में तकनीकी दक्षता, सुरक्षा उपकरणों की जानकारी और जोखिम प्रबंधन की विशेष आवश्यकता होती है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त प्रशिक्षण और प्रमाणन की सीमित उपलब्धता भारत में साहसिक पर्यटन के विस्तार की चुनौतियों में शामिल रही है। इससे जिले में साहसिक पर्यटन गतिविधियों को अधिक सुरक्षित, व्यवस्थित और पेशेवर तरीके से संचालित करने में सहायता मिलेगी।

साथ ही स्थानीय युवाओं की तकनीकी क्षमता और रोजगार की संभावनाओं को भी मजबूती मिलेगी। जशपुर में साहसिक पर्यटन के विकास और स्थानीय युवाओं को प्रशिक्षित करने की पहल वर्ष 2024 की शुरुआत में तत्कालीन कलेक्टर डॉ. रवि मित्तल के नेतृत्व में प्रारंभ की गई थी।

अकवान चक्रवात से हुई फसल क्षति पर जिला प्रशासन पूरी तरह गंभीर, किसानों को मिलेगा उचित मुआवजा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। अकवान चक्रवात से जिले में हुई फसल क्षति को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह गंभीर और सजग है। कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं के निर्देशन पर राजस्व एवं कृषि विभाग की संयुक्त टीम ने खेतों में पहुंचकर फसल क्षति का सर्वे कार्य शुरू कर दिया है। प्रशासन का स्पष्ट कहना है कि एक भी प्रभावित किसान मुआवजे से वंचित नहीं रहेगा। जिन किसानों की फसल चक्रवात की बारिश और तेज हवाओं से बर्बाद हुई है, उन्हें नियमानुसार उचित मुआवजा राशि प्रदान की जाएगी।

चक्रवात के कारण जिले के कई क्षेत्रों में धान की खड़ी फसल को भारी नुकसान पहुंचा है। कहीं खेतों में पानी भर गया, तो कहीं तेज हवा से फसल जमीन पर गिर गई। किसानों की इस पीड़ा को देखते हुए कलेक्टर ने तत्काल सर्वे के निर्देश दिए थे। निर्देश मिलते ही राजस्व एवं कृषि विभाग की टीमें सक्रिय हो गईं और गांव-गांव पहुंचकर सर्वे में जुट गईं। तहसील दाढ़ी के ग्राम मजगांव एवं थानखमरिया के ग्राम ठेलका एवं बनोरा पहुंची सर्वे टीम

इसी कड़ी में आज राजस्व एवं कृषि विभाग



की संयुक्त टीम तहसील दाढ़ी के ग्राम मजगांव एवं थानखमरिया के ग्राम ठेलका एवं बनोरा पहुंची। यहां अधिकारियों ने खेत-खेत जाकर फसल क्षति का जायजा लिया। टीम ने किसानों से सीधे बातचीत की, उनकी समस्याएं सुनीं और खेतों में खड़ी फसल की स्थिति का बारीकी से निरीक्षण किया। सर्वे के दौरान अधिकारियों ने क्षतिग्रस्त फसल का प्रतिशत, प्रभावित रकबा, फसल का प्रकार और नुकसान की स्थिति का पूरा विवरण दर्ज किया। साथ ही मौके पर ही फसल के फोटो और वीडियो भी लिए गए, ताकि सर्वे पूरी तरह पारदर्शी हो और किसी भी किसान के साथ अन्याय न हो।

मानव तस्करी और घरेलू हिंसा से महिलाओं के संरक्षण पर राज्य स्तरीय कार्यशाला कल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग द्वारा राष्ट्रीय महिला आयोग के सहयोग तथा पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के सह-आयोजन में 23 नवंबर को 'मानव तस्करी तथा महिलाओं का घरेलू हिंसा से संरक्षण' विषय पर राज्य स्तरीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला आयोजित की जाएगी। विश्वविद्यालय सभागार में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक होने वाले इस आयोजन में न्यायपालिका, पुलिस, महिला एवं बाल विकास, उच्च शिक्षा और स्वैच्छिक संस्थाओं से जुड़े करीब 500 प्रतिभागी शामिल होंगे।

कार्यशाला का शुभारंभ राज्यपाल श्री रमेन डेका करेंगे। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सच्चिदानंद शुक्ला और छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू सहित आयोग के सदस्य और अन्य अतिथि उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम का समापन मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की उपस्थिति में होगा।

कार्यशाला में मानव तस्करी और घरेलू हिंसा से जुड़े कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन पर चर्चा की जाएगी। प्रतिभागियों को कानूनी प्रावधानों, पुलिस की भूमिका, जांच एवं कार्रवाई की प्रक्रिया तथा पीड़ित महिलाओं के संरक्षण और सहायता से जुड़े पहलुओं की जानकारी दी जाएगी। विशेषज्ञों के साथ चर्चा के जरिए कानूनों को प्रभावी ढंग से लागू करने और पीड़ित महिलाओं तक सहायता पहुंचाने के व्यावहारिक उपायों पर सुझाव भी लिए जाएंगे।

पहले तकनीकी सत्र में छत्तीसगढ़ के संदर्भ में मानव तस्करी की चुनौतियों और इससे निपटने के उपायों पर विचार-विमर्श होगा। सत्र की अध्यक्षता पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम करेंगे। सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता और शक्ति वाहिनी के संस्थापक रविकांत सहित न्यायिक अधिकारी एवं विषय विशेषज्ञ पैनल में शामिल होंगे।

दूसरे तकनीकी सत्र में घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, 2005 के क्रियान्वयन पर चर्चा होगी। सत्र की अध्यक्षता महिला एवं बाल विकास विभाग की संचालक डॉ. रेणुका श्रीवास्तव करेंगी। मजलिस सेंटर ऑफलॉ की निदेशक सुश्री एंड्रिया डी'मेलो सहित न्यायिक अधिकारी और विषय विशेषज्ञ अपने विचार साझा करेंगे। तीसरे सत्र में शैक्षणिक और मनोसामाजिक दृष्टिकोण से विषय के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की जाएगी।

इसमें प्रोफेसर डॉ. प्रियंबदा, नीति आयोग की प्रतिनिधि सुश्री प्रोतिति साहा, डालसा के अविनाश दुबे और मनोचिकित्सक श्रीमती सोनिया परियर सहित विशेषज्ञ भाग लेंगे। आयोजन में पुलिस विभाग, न्यायिक अधिकारी, विधिक सेवा प्राधिकरण, महिला एवं बाल विकास विभाग और उच्च शिक्षा संस्थानों के प्रतिनिधि, विधि के विद्यार्थी, स्वैच्छिक संस्थाओं के प्रतिनिधि तथा परामर्शदाता शामिल होंगे। उद्देश्य विभिन्न विभागों और संस्थाओं के बीच समन्वय बढ़ाकर महिलाओं की सुरक्षा, संरक्षण और सहायता की व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाना है।

छत्तीसगढ़ की शानदार जीत, चंडीगढ़ को 18 रनों से हराया

कृति गुप्ता की नाबाद 66 रनों की पारी, साक्षी शुक्ला ने झटके 4 विकेट

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बीसीसीआई द्वारा आयोजित वुमेंस अंडर-23 टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट 2026 में छत्तीसगढ़ की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने पांचवें मुकाबले में चंडीगढ़ अंडर-23 टीम को 18 रनों से पराजित किया। यह मुकाबला 21 नवंबर 2026 को त्रिवेंद्रम में खेला गया।

मैच में छत्तीसगढ़ अंडर-23 टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। छत्तीसगढ़ ने निर्धारित 20 ओवरों में 4 विकेट के नुकसान पर 163 रन बनाए। टीम की ओर से कप्तान कृति





गुप्ता ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 66 रन बनाए और अपना बेहतरीन फॉर्म जारी रखा। उनके अलावा कुमुद साहू ने 43 रन तथा चांद चेलक ने 15 रनों का योगदान दिया। चंडीगढ़ की ओर से मन्नु, तरुनिका, पूर्वी और याशिका ने 1-1 विकेट हासिल किया।

164 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी चंडीगढ़ की टीम निर्धारित 20 ओवरों में 7 विकेट के नुकसान पर 145 रन ही बना सकी। चंडीगढ़ की ओर से पलक राणा ने सर्वाधिक 54 रन बनाए। वहीं साराह कुमार ने 21 रन और दीप्ति वालिया ने 15 रनों का योगदान दिया।

छत्तीसगढ़ की ओर से साक्षी शुक्ला ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 विकेट हासिल किए और टीम की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस प्रकार छत्तीसगढ़ अंडर-23 महिला क्रिकेट टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चंडीगढ़ को 18 रनों से हराकर टूर्नामेंट में एक और जीत दर्ज की।

विश्व मात्स्यिकी दिवस पर संभाग स्तरीय कार्यक्रम आयोजित, 400 मत्स्य कृषकों ने लिया हिस्सा

अम्बिकापुर। विश्व मात्स्यिकी दिवस 2026 के अवसर पर आज ऑडिटोरियम, पी.जी. कॉलेज अंबिकापुर, में संभाग स्तरीय एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संभाग के सभी जिलों से लगभग 400 मत्स्य कृषकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत सरगुजा के उपाध्यक्ष देवनारायण यादव उपस्थित रहे। इसके साथ ही जिला पंचायत की कृषि स्थायी समिति की सभापति दिव्या सिंह सिसोदिया, जिला पंचायत सदस्य अनिमा केरकेट्टा एवं नानमणि पैंकरा सहित मछुआ समाज के प्रतिनिधि, संभाग के विभिन्न जिलों के अधिकारी एवं मत्स्य निरीक्षक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान मत्स्य कृषकों को मछली पालन की आधुनिक तकनीकों एवं स्वरोजगार की संभावनाओं से अवगत कराया गया। इस दौरान झींगा पालन, तिलापिया पालन, एनएफडीपी पोर्टल में मत्स्य कृषकों का पंजीयन तथा प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत संचालित विभिन्न गतिविधियों एवं योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी गई। अधिकारियों एवं विशेषज्ञों ने मत्स्य कृषकों को योजनाओं का लाभ लेने, आधुनिक तकनीकों को अपनाने तथा मत्स्य उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया।

छत्तीसगढ़ इंडस्ट्री डायलॉग के तीसरे अध्याय में मिले 1.06 लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में देश के प्रमुख उद्योगपतियों के सबसे बड़े सम्मेलनों में से एक का आयोजन हुआ, जिसमें देशभर से आए लगभग 150 उद्योगपतियों ने रायपुर में छत्तीसगढ़ इंडस्ट्री डायलॉग के तीसरे चरण में हिस्सा लिया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में पीएचडी चौंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के सहयोग से किया गया। इस दौरान 1.06 करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। राज्य में कुल 21 परियोजनाओं के माध्यम से निवेश करने की प्रतिबद्धता जताई गई है। इन परियोजनाओं से छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए लगभग 29 हजार रोजगार के नए अवसर सृजित होने की संभावना है।



इस संवाद की सबसे उल्लेखनीय बात उभरते क्षेत्रों के प्रति निवेशकों की मजबूत रुचि रही। कुल 21 परियोजनाओं में से 12 परियोजनाएं (57 प्रतिशत) फार्मास्यूटिकल्स, वस्त्र और हॉस्पिटैलिटी जैसे क्षेत्रों से संबंधित हैं।

इन परियोजनाओं के माध्यम से कुल 10.73 हजार करोड़ का निवेश होगा, जिसके जरिए लगभग 8 हजार रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। यह उक्त संवाद के माध्यम से सृजित होने वाले कुल रोजगार अवसरों का 27 प्रतिशत है। ये क्षेत्र रोजगार सृजन की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इनमें निवेश किए गए प्रत्येक एक करोड़ रुपये से अन्य क्षेत्रों में किए गए निवेश की तुलना में तीन गुना से अधिक रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

इससे यह प्रतीत हो रहा है कि छत्तीसगढ़ का नए क्षेत्रों की ओर विस्तार लगातार मजबूत हो रहा है। खनिज, इस्पात और ऊर्जा के क्षेत्र में राज्य की औद्योगिक आधारशिला पहले से ही मजबूत है। इसके साथ ही अब अधिक से अधिक निवेशक रोजगारपरक क्षेत्रों में भी निवेश कर रहे हैं। इंडस्ट्री डायलॉग के प्रत्येक चरण ने निवेशकों के इस विश्वास को और मजबूत किया है। तीसरा अध्याय इस बात की पुष्टि करता है कि छत्तीसगढ़ अब बड़े पैमाने पर रोजगार सृजित करने वाले उद्योगों के लिए एक पसंदीदा निवेश क्षेत्र बन रहा है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ अब भारत में व्यवसाय करने के लिए सबसे सुगम राज्यों में से एक है। उद्योग जगत ने आज छत्तीसगढ़ में विश्वास व्यक्त किया है, वह यहां के युवाओं के लिए हजारों रोजगार के अवसरों में परिवर्तित होगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार स्वीकृति से लेकर उत्पादन तक हर चरण में त्वरित कार्यवाही, पारदर्शिता और सहयोग सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

इस संवाद में केएलजे ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज, आरडीबी ग्रुप, लिबर्टी शूज़, प्रासिल इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, ऑगमेंट न्यूट्रिएंट्स सहित कई प्रतिष्ठित औद्योगिक एवं व्यावसायिक समूहों ने भाग लिया। इन समूहों के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री और वरिष्ठ अधिकारियों से सीधे मुलाकात कर राज्य में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा की।

सचिव वाणिज्य एवं उद्योग रजत कुमार ने कहा कि निवेशकों का प्रदेश के प्रति बढ़ता विश्वास इस बात का प्रमाण है कि छत्तीसगढ़ में उद्योगों को त्वरित कार्यवाही, विश्वसनीय व्यवस्था और हर स्तर पर सहयोग मिल रहा है। औद्योगिक विकास नीति 2024-30 निवेशकों को स्पष्ट और स्थिर नियमों के साथ-साथ फार्मा, वस्त्र और हॉस्पिटैलिटी जैसे रोजगार सृजन करने वाले उभरते क्षेत्रों के लिए विशेष प्रोत्साहन प्रदान करती है। तैयार औद्योगिक भूमि, निर्बाध बिजली एवं जलापूर्ति तथा सड़क, रेल और हवाई मार्ग से बेहतर कनेक्टिविटी के कारण परियोजनाओं को निवेश की प्रतिबद्धता से निर्माण कार्य तक तेजी से आगे बढ़ाने में मदद मिलती है।

नीति के अंतर्गत आकांक्षी क्षेत्रों में उद्योग स्थापित करने वालों को अतिरिक्त सहायता भी प्रदान की जाती है, ताकि निवेश और रोजगार के अवसर केवल राजधानी क्षेत्र तक सीमित न रहें, बल्कि राज्य के प्रत्येक हिस्से तक पहुंचें।

18वें कॉमन रिव्यू मिशन के तहत केंद्रीय टीम करेगी छत्तीसगढ़ की स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा

रायपुर। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत 18वें कॉमन रिव्यू मिशन के तहत छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सेवाओं एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा के लिए केंद्रीय टीम प्रदेश के भ्रमण पर रहेगी। इस संबंध में रायपुर स्थित निजी होटल में केंद्रीय टीम के सदस्यों की ब्रीफिंग आयोजित की गई। कॉमन रिव्यू मिशन के अंतर्गत केंद्रीय टीम प्रदेश के सुकमा एवं बलौदाबाजार जिलों का भ्रमण कर स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता, गुणवत्ता, क्रियान्वयन एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत संचालित विभिन्न कार्यक्रमों की जमीनी स्थिति का आकलन करेगी। जो संबंधित जिलों में स्वास्थ्य संस्थानों एवं स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लेंगे।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

तेज रफ्तार स्कूल बस ने बाइक सवार दंपती को कुचला, पति-पत्नी दोनों की मौत

दुर्ग। जिले के पाटन क्षेत्र में एक तेज रफ्तार स्कूल बस ने मोटरसाइकिल सवार दंपती को जोरदार टक्कर मार दी। इस भीषण सड़क हादसे में पति और पत्नी दोनों की मौत हो गई। दुर्घटना के समय दोनों पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होकर अपने घर लौट रहे थे। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मोटरसाइकिल के परखच्चे उड़ गए और दंपती सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार ग्राम भुरकुनी निवासी द्रोणाचार्य साहू अपनी पत्नी तामेश्वरी के साथ मोटरसाइकिल पर सवार होकर रानीतराई क्षेत्र के ग्राम कौही में आयोजित दशगात्र कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। कार्यक्रम के पश्चात दोनों वापस अपने गांव लौट रहे थे। जैसे ही उनकी मोटरसाइकिल पाटन स्थित महामाया चौक से आगे अमलेश्वर मार्ग पर सुलभ शौचालय के समीप पहुंची, तभी सामने से आ रही अनियंत्रित बस ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया।

रायपुर में सूने मकान का ताला तोड़कर चोरी, आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। तेलीबांधा इलाके में परिवार के वाराणसी जाने के बाद सूने मकान में चोरी हो गई। आरोपी ने घर के अंदर घुसकर अलमारी का लॉकर तोड़ा और सोने-चांदी के जेवर के साथ कैश लेकर फरार हो गया। परिवार जब 20 नवंबर को वापस लौटा तो चोरी का पता चला। शिकायत के बाद पुलिस ने 22 साल के युवक को गिरफ्तार किया है। उसके पास से चोरी की सोने की चेन, चांदी के 12 बेलपत्र और 89 हजार 495 रुपए कैश बरामद किए गए हैं।पुलिस के मुताबिक, डॉ. स्नेहिल दीवान 18 नवंबर को परिवार के साथ वाराणसी गए थे। घर में ताला लगाकर जाने के बावजूद चोर ने वारदात को अंजाम दे दिया। 20 नवंबर को लौटने पर उन्होंने देखा कि घर के बाहर का गेट बंद था, लेकिन अंदर के मुख्य गेट का ताला टूटा हुआ था। घर के अंदर अलमारी का लॉकर भी टूटा मिला। उसमें रखे सोने-चांदी के आभूषण और कैश गायब थे।

कोरबा में 15 दुकानदारों पर कोटपा एक्ट के तहत कार्रवाई

कोरबा। नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कोरबा पुलिस ने तंबाकू नियंत्रण को लेकर जिले में कार्रवाई तेज कर दी है। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में चार थाना क्षेत्रों में विशेष चेकिंग अभियान चलाकर 15 दुकानदारों के खिलाफकोटपा एक्ट के तहत चालानी कार्रवाई की गई है। पुलिस ने स्कूल, कॉलेज और कोचिंग सेंटरों के आसपास संचालित पान ठेलों और किराना दुकानों की जांच की। पुलिस के मुताबिक, शिकायतें मिल रही थीं कि स्कूल और अन्य शैक्षणिक संस्थानों के आसपास खुलेआम तंबाकू उत्पाद बेचे जा रहे हैं। नाबालिगों को तंबाकू उत्पाद बेचने की शिकायतें भी सामने आई थीं।

कोरबा-यशवंतपुर एक्सप्रेस में बम की सूचना से हड़कंप, संदिग्ध हिरासत में

श्रीकंचनपथ न्यूज





राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव रेलवे स्टेशन पर कोरबा यशवंतपुर एक्सप्रेस यात्री ट्रेन में बम होने की सूचना से हड़कंप मच गया।

सूचना मिलते ही रेलवे सुरक्षा बल और आरपीएफ की टीम तुरंत हरकत में आ गई। इसके बाद ट्रेन को रोककर उसके सभी डिब्बों की सघन जांच शुरू की गई।

यह घटना प्लेटफॉर्म नंबर दो पर हुई, जहां ट्रेन लगभग डेढ़ घंटे तक खड़ी रही। इस दौरान डॉग स्क्वॉड और बम स्क्वॉड की विशेष टीमें मौके पर पहुंची।

रेलवे के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी सुरक्षा बलों के साथ जांच में मौजूद रहे। स्टेशन प्रबंधक आरके बर्मन ने बताया कि एक यात्री ने ट्रेन चालक को बम होने की सूचना दी थी। यात्री ने चालक से कहा था कि गाड़ी में बम है और उसके पास 10 मिनट का समय है।

इस सूचना के बाद ही रेलवे अधिकारियों को सूचित किया गया। जीआरपी और आरपीएफ राजनांदगांव के साथ लोकल पुलिस की टीम भी जांच में जुट गई।

जांच और संदिग्ध

डॉग स्क्वॉड और बम स्क्वॉड की टीमों ने पूरे ट्रेन की बारीकी से तलाशी ली। लगभग डेढ़ घंटे की जांच के बाद भी ट्रेन में किसी भी प्रकार का बम नहीं पाया गया।

इस दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति को भी हिरासत में लिया गया है। उससे घटना के संबंध में विस्तृत पूछताछ की जा रही है।

ट्रेन हुई रवाना

बम की सूचना फर्जी पाए जाने के बाद कोरबा यशवंतपुर एक्सप्रेस को रवाना कर दिया गया। इस पूरी घटना के कारण कुछ अन्य ट्रेनों को भी थोड़ा विलंब का सामना करना पड़ा। रेलवे प्रशासन अब पूरे मामले की गहनता से जांच कर रहा है। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सतर्कता बरती जा रही है।

पोटाश बम से जंगली सुअर का शिकार, 7 शिकारी पहुंचे जेल

धमतरी। जिले के उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व क्षेत्र के अंतर्गत वन्यप्राणी के अवैध शिकार मामले में वन विभाग को सफलता मिली है। रिसगांव परिक्षेत्र में विस्फोटक पोटाश बम के जरिए जंगली सुअर का शिकार करने के प्रकरण में विभाग ने दो अन्य संलिप्त आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

न्यायालय ने दोनों आरोपियों की जमानत याचिका भी निरस्त कर दी है। इस मामले में अब तक कुल 7 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

क्या है पूरा मामला..?

वन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, बीती 29 सितंबर 2026 को छत्तीसगढ़-ओडिशा सीमा से लगे आरक्षित वनक्षेत्र (कक्ष क्रमांक 254-255, चिखलापानी) में विस्फोटक पदार्थ पोटाश बम का उपयोग कर एक नर जंगली सुअर का अवैध शिकार किया गया था। इस संबंध में वन्यप्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी।

जेल में पूछताछ से खुले अहम राज

मामले की तह तक जाने के लिए न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, नगरी से अनुमति लेकर 5 नवंबर को आला अधिकारियों की एक विशेष टीम ने जिला जेल धमतरी में बंद आरोपियों से पूछताछ की। इस टीम में उपनिदेशक, सहायक संचालक, परिक्षेत्र अधिकारी और विवेचना अधिकारी शामिल थे।

पहले हो चुकी है 5 आरोपियों की गिरफ्तारी

इस प्रकरण में वन विभाग ने पूर्व में कार्रवाई करते हुए ओडिशा के नबरंगपुर जिले के ग्राम खिलौली निवासी चार शिकारियों—नरसिंग (50), मानसिंग (22), देवानंद उर्फ लैला (49) और शेषमल (38) को गिरफ्तार किया था। इसके साथ ही, विस्फोटक पोटाश बम के मुख्य सप्लायर भारत पिता रामजी राठौर के घर पर सर्च वारंट के तहत तलाशी ली गई थी।

लकड़ी तस्करी के विवाद में वनकर्मी से मारपीट, फाड़ी वर्दी

गौरेला पेंड्रा मरवाही। जिले के गौरेला वन परिक्षेत्र के दर्री बीट में एक वनकर्मी के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। शासकीय कार्य के दौरान बीट गार्ड की वर्दी फाड़ने और अभद्रता करने के आरोप में पुलिस ने कार्रवाई की है। गौरेला पुलिस ने इस मामले में मुख्य आरोपी रुद्र मांझी को गिरफ्तार कर लिया है।

यह घटना दर्री बीट में उस समय हुई जब बीट गार्ड सूर्यकांत रात्रे अपने शासकीय कार्य में लगे हुए थे। इसी दौरान उनका लकड़ी तस्करी से जुड़े रुद्र मांझी नामक व्यक्ति से विवाद हो गया। विवाद देखते ही देखते काफी बढ़ गया और स्थिति बिगड़ गई। आरोपी रुद्र मांझी ने कथित तौर पर बीट गार्ड सूर्यकांत रात्रे के साथ मारपीट की। उसने वनकर्मी की वर्दी भी फाड़ दी, जिससे वन विभाग में हड़कंप मच गया।

घटना के बाद बीट गार्ड सूर्यकांत रात्रे ने इसकी सूचना अपने विभाग के उच्च अधिकारियों को दी। वन विभाग के अधिकारियों ने मामले की गंभीरता को समझते हुए तत्काल कार्रवाई की।

दर्री डेम में मिला युवक का शव, 3 दिन से था लापता

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। दर्री डेम में लापता 21 वर्षीय अर्जुन सिंह का शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक बांगो थाने में पदस्थ आरक्षक का बेटा था। युवक की बाइक और मोबाइल अब तक नहीं मिले हैं। पुलिस हादसा, आत्महत्या और हत्या समेत सभी पहलुओं पर जांच कर रही है।

कोरबा जिले के दर्री थाना क्षेत्र के प्रगतिनगर दर्री डेम में एक युवक की लाश मिलने से सनसनी फैल गई है। मृतक की पहचान 21 वर्षीय अर्जुन सिंह के रूप में हुई है, जो 18 नवंबर से लापता था। मृतक बांगो थाना में पदस्थ आरक्षक धनंजय सिंह का बेटा बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार अर्जुन सिंह पिता के साथ दर्री सीएसईबी कॉलोनी कैलाश विहार में रहता था। 18 नवंबर को वह कमला नेहरू महाविद्यालय जाने के लिए बाइक से घर से निकला था। वह अपने साथ मोबाइल और बाइक दोनों लेकर गया था। कॉलेज के बाद वह घर नहीं लौटा। परिजनों ने उसकी काफी खोजबीन की, सोशल मीडिया पर गुमशुदगी का बैनर-पोस्टर भी वायरल किया गया था। थक हारकर परिजनों ने दर्री थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी, जिस पर पुलिस पतासाजी कर रही थी।

इसी बीच शनिवार सुबह दर्री डेम में नाव से घूम रहे मछुआरों की नजर पानी में तैरती लाश पर पड़ी। उन्होंने तत्काल इसकी सूचना दर्री पुलिस को दी। सूचना मिलते ही दर्री पुलिस और गोताखोर मौके पर पहुंचे और शव को बाहर निकाला गया।

शव की पहचान के लिए बांगो में पदस्थ आरक्षक धनंजय सिंह को बुलाया गया, जिन्होंने शव देखकर अपने बेटे अर्जुन के रूप में पहचान की। शव 2-3 दिन पुराना बताया जा रहा है और पानी में रहने से फूल गया था।

हैरानी की बात यह है कि युवक जिस बाइक और मोबाइल को लेकर निकला था, वह दोनों अभी तक बरामद नहीं हुए हैं। इससे मामला और संदिग्ध हो गया है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि युवक डेम तक कैसे पहुंचा, क्या यह हादसा है, आत्महत्या या फिर हत्या।

घूसखोरी में सीए गिरफ्तार

कांकेर। एसीबी की टीम ने शनिवार को जब कांकेर जिले में जीएसटी की सहायक आयुक्त आंचला गिरी को डेढ़ लाख रुपये की रिश्वत लेते पकड़ा. तो उन्होंने रिश्वत की पूरी रकम घर के बाहर नाली में फेंक दी थी। आंचला के घर पहुंची एसीबी की टीम मुस्तैद थी, उसने नाली से 1.50 लाख रुपये की राशि बरामद कर अधिकारी को रंगे हाथ पकड़ लिया। टीम ने इसके बाद रिश्वतखोरी में मध्यस्थता कर रहे सीए इमरान मेमन को भी गिरफ्तार कर लिया।

बाइक चोरी का खुलासा, 24 घंटे के भीतर आरोपी गिरफ्तार

बलरामपुर। राजपुर बस स्टैंड से मोटरसाइकिल चोरी के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 26 वर्षीय आरोपी सनेश्वर बादी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी की बाइक बरामद कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, ग्राम राजपुर निवासी अनिल कश्यप ने 20 नवंबर को थाना राजपुर में एक रिपोर्ट दर्ज कराई थी। अनिल कश्यप सुरेश कश्यप के पुत्र हैं। उन्होंने अपनी शिकायत में बताया था कि राजपुर बस स्टैंड से उनकी मोटरसाइकिल चोरी हो गई थी। यह चोरी किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा की गई थी।

शिकायत के आधार पर राजपुर पुलिस ने धारा 303(2) के तहत अपराध पंजीबद्ध किया। इसके बाद पुलिस ने मामले की गहन जांच शुरू कर दी। विवेचना के दौरान, पुलिस को ग्राम बगाढ़ी निवासी सनेश्वर बादी पर संदेह हुआ। सनेश्वर बादी लवंग साय के पुत्र हैं और उनकी उम्र 26 वर्ष है। पुलिस ने सनेश्वर बादी को हिरासत में लेकर उनसे विस्तृत पूछताछ की। पूछताछ में उनकी संलिप्तता के पर्याप्त साक्ष्य मिले।



न्यायिक रिमांड पर भेजा गया

गिरफ्तारी के बाद, पुलिस ने आरोपी सनेश्वर बादी को जेएमएफसी न्यायालय राजपुर में पेश किया। अदालत ने मामले की सुनवाई के बाद आदेश जारी किया। न्यायालय के आदेश पर आरोपी को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

सनेश्वर बादी को 4 दिसंबर तक के लिए जेल में रहना होगा। इस मोटरसाइकिल चोरी के मामले में आगे की विवेचना अभी भी जारी है।

आरोपी की गिरफ्तारी और बरामदगी

साक्ष्य मिलने के बाद पुलिस ने आरोपी सनेश्वर बादी को तत्काल गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी की गई मोटरसाइकिल को भी जब्त कर लिया। यह कार्रवाई पुलिस की सक्रियता और त्वरित जांच का परिणाम रही। चोरी की गई मोटरसाइकिल को बरामद करना पुलिस के लिए एक महत्वपूर्ण सफलता थी।

शॉप से 1.90 लाख के सोने के झाले पार

बिलासपुर। धनतेरस पर दुकान में उमड़ी ग्राहकों की भीड़ का फायदा उठाकर अज्ञात चोर सदर बाजार स्थित एक ज्वेलरी शॉप से 1 लाख 90 हजार रुपए कीमत के सोने के झाले पार कर दिया।

सराफा कारोबारी की सदर बाजार मेन रोड स्थित श्याम सदर सराफा कॉम्प्लेक्स में दुकान है। 6 नवंबर को धनतेरस की दोपहर करीब 12 बजे दुकान में ग्राहकों की काफी भीड़ थी। संचालक और कर्मचारी जेवर दिखाने में व्यस्त थे। इसी दौरान किसी अज्ञात व्यक्ति ने काउंटर पर रखे 20 कैरेट सोने के दो जोड़ी झाले लटकन चोरी कर लिए। कुल वजन 14 ग्राम और कीमत करीब 1 लाख 90 हजार रुपए बताई गई है।

खूंखार भालू ने 55 वर्षीय ग्रामीण पर किया हमला; चेहरे को बुरी तरह नोचा

महासमुंद। जिले के झलप के समीप जंगली भालू के हमले से एक 55 वर्षीय ग्रामीण गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना महासमुंद वन परिक्षेत्र की बताई जा रही है। घायल की पहचान कछारडीह निवासी दर्शन यादव के रूप में हुई है। हमले में दर्शन के सिर, चेहरे, नाक और कान पर गंभीर चोटें आई हैं।

शौच के लिए जंगल की ओर गया था ग्रामीण

दर्शन यादव सुबह अपने घर से करीब 500 मीटर दूर जंगल की ओर शौच के लिए गया था। इसी दौरान अचानक उसका सामना जंगली भालू से हो गया। इससे पहले कि वह संभल पाता, भालू ने उस पर हमला कर दिया। हमले में भालू ने उसके चेहरे को बुरी तरह घायल कर दिया। सिर और चेहरे पर गंभीर चोट आने के कारण उसकी हालत चिंताजनक हो गई।

पहले महासमुंद, फिर रायपुर रेफर

घटना के बाद घायल दर्शन यादव को तत्काल उपचार के लिए जिला अस्पताल महासमुंद ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए रायपुर रेफर कर दिया।

जंगली भालू के हमले की खबर फैलते ही आसपास के गांवों में दहशत का माहौल है।

दिग्विजय क्लब पर प्रशासनिक कार्रवाई, खाते सीज



राजनांदगांव। जिला प्रशासन ने कलेक्टर की अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) के बिना भवन निर्माण कराने और चुनाव की प्रशासनिक स्वीकृति न होने पर बड़ी कार्रवाई की है।

राजनांदगांव जिला प्रशासन ने कलेक्टर की अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) के बिना भवन निर्माण कराने और चुनाव की प्रशासनिक स्वीकृति न होने पर बड़ी कार्रवाई की है। प्रशासन ने दिग्विजय क्लब के बैंक खातों में जमा 2.26 करोड़ रुपये की राशि को फ्रीज कर दिया है। साथ ही, राजनांदगांव के तहसीलदार को क्लब का प्रशासक नियुक्त किया है। जांच पूरी होने तक क्लब की वित्तीय गतिविधियों और चल-अचल संपत्तियों के संचालन के लिए यह व्यवस्था बनाई गई है।

क्लब में खेल गतिविधियां निर्बाध रूप से जारी रहेंगी, जिनकी जिम्मेदारी खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सहायक संचालक को सौंपी गई है। प्रशासनिक जांच के अनुसार क्लब के इंडियन बैंक स्थित बचत खाते में लगभग 70.74 लाख रुपये और सावधि जमा खातों में 1 करोड़ 55 लाख 35 हजार रुपये जमा हैं। इन सभी खातों से राशि निकालने, किसी भी प्रकार के भुगतान करने या दूसरे खातों में राशि हस्तांतरित करने पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गई है। जारी आदेश के तहत पूर्व में जारी किए गए चेक भी अब मान्य नहीं होंगे। यदि कोई व्यक्ति या बैंक शाखा प्रबंधक इस निर्देश का उल्लंघन करता है, तो उसके खिलाफ व्यक्तिगत जिम्मेदारी तय होगी। इसके अलावा संबंधित राशि की वसूली भू-राजस्व के बकाया की तरह की जाएगी। प्रशासन ने प्रशासक बने तहसीलदार को क्लब की समस्त चल व अचल संपत्तियों का आधिपत्य लेकर पंचनामा तैयार करने के निर्देश दिए हैं।

वर्तमान पदाधिकारियों को तीन दिनों के भीतर क्लब की पासबुक, चेकबुक, एफडी रसीदें, लेखा पुस्तकें, किरायानामे और सभी परिसरों की चाबियां प्रशासक को सौंपनी होंगी। इसके अतिरिक्त क्लब के शॉपिंग कॉम्प्लेक्स और दुकानों से प्राप्त होने वाला किराया अब केवल प्रशासक ही प्राप्त करेंगे।

शादी का वादा, शारीरिक शोषण और इनकार; आरोपी गिरफ्तार

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में एक महिला से शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाने और फिर इन्कार करने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पीड़िता की शिकायत के बाद आरोपी को आज जेल भेज दिया गया। यह मामला महिला थाने में दर्ज किया गया था।

पीड़िता ने 3 नवंबर को महिला थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसने बताया कि भाठनपाली निवासी प्रवीण कुमार प्रधान ने उसे शादी का झांसा दिया। पीड़िता की पहचान प्रवीण से 2024 में हुई थी। इसके बाद दोनों के बीच बातचीत शुरू हो गई थी।

प्रवीण का पीड़िता के चक्रधर नगर स्थित किराए के मकान में आना-जाना था। 4 दिसंबर 2024 को आरोपी उसे अपने किराए के मकान में ले गया। वहां उसने शादी का वादा कर शारीरिक संबंध बनाए। इसके बाद प्रवीण समय-समय पर महिला का शारीरिक शोषण करता रहा।

बिहार से छत्तीसगढ़ लाया जा रहा था 301 क्विंटल धान, चिल्फी बॉर्डर पर 750 बोरियों से भरा ट्रक जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज



कबीरधाम। समर्थन मूल्य पर धान खरीदी शुरू होते ही अवैध धान परिवहन के मामले सामने आने लगे हैं। चिल्फी अंतर्राज्यीय चेकपोस्ट पर प्रशासन की संयुक्त टीम ने बिहार के कैमूर से आ रहे 301 क्विंटल धान से भरे ट्रक को जब्त किया है।

छत्तीसगढ़ में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी शुरू होते ही दूसरे राज्यों से धान खपाने के प्रयास सामने आ रहे हैं। इसी क्रम में जिला प्रशासन की संयुक्त टीम ने चिल्फी अंतर्राज्यीय चेकपोस्ट पर बड़ी कार्रवाई की है।

टीम ने बिहार से आ रहे 301 क्विंटल धान से भरे एक ट्रक को पकड़ा है। ट्रक में धान की 750 बोरियां लोड थीं। जांच में मंडी अधिनियम का उल्लंघन पाया गया। इसके बाद टीम ने ट्रक को जब्त कर लिया।

मामले में वैधानिक कार्रवाई के लिए प्रकरण भी तैयार किया गया है। जानकारी के अनुसार, यह ट्रक बिहार के कैमूर जिले से धान लेकर छत्तीसगढ़ आ रहा था।

चिल्फी बॉर्डर पर तैनात संयुक्त टीम नियमित वाहनों की जांच कर रही थी।

तलाशी के दौरान ट्रक में बड़ी मात्रा में धान मिला। कुल 750 बोरी में 301 क्विंटल धान पाया गया।

प्रशासन की संयुक्त कार्रवाई

कलेक्टर तुलिका प्रजापति के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई। सहायक खाद्य अधिकारी मदन मोहन साहू के नेतृत्व में टीम काम कर रही थी। इस संयुक्त टीम में खाद्य, मंडी, राजस्व, आबकारी और पुलिस विभाग के अधिकारी शामिल थे।

चेकपोस्ट पर निगरानी के दौरान मंडी अधिनियम के उल्लंघन पर ट्रक जब्त किया गया।

किशोरी का अवैध गर्भपात कराने वाली महिला डॉक्टर गिरफ्तार

बिलासपुर। बिना जरूरी शासकीय अनुमति के नाबालिग का गर्भपात कराने के मामले में पुलिस ने महिला डॉक्टर को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया कि डॉक्टर को किशोरी के नाबालिग होने की जानकारी थी, इसके बावजूद उसने गर्भपात किया।

पुलिस ने नाबालिग किशोरी का नियम विरुद्ध तरीके से गर्भपात कराने के मामले में एक महिला डॉक्टर को गिरफ्तार किया है। आरोपी डॉक्टर ने शासन से आवश्यक अनुमति लिए बिना ही नाबालिग का अबॉर्शन किया था। पुलिस इस मामले में पहले ही पीड़िता का शोषण करने वाले मुख्य आरोपी युवक को गिरफ्तार कर चुकी है।

जांच में साक्ष्य मिलने के बाद अब डॉक्टर के खिलाफभी कार्रवाई की गई है। पुलिस के अनुसार तोरवा थाना क्षेत्र के निवासी आरोपी ने नाबालिग किशोरी को शादी का झांसा देकर उसका दैहिक शोषण किया था।







छत्तीसगढ़ के विकास में तेलुगु समाज का महत्वपूर्ण योगदान : मुख्यमंत्री

व्यापार, शिक्षा, उद्योग और सामाजिक क्षेत्रों में तेलुगु समाज ने अपनी प्रतिभा, परिश्रम और उद्यमशीलता से बनाई विशिष्ट पहचान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय राजधानी रायपुर के देवेन्द्र नगर स्थित श्री बालाजी विद्या मंदिर में आयोजित 11वें ऑल इंडिया तेलुगु कॉन्फ्रेंस-2026 में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने तेलुगु समाज के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के विकास और समृद्धि में तेलुगु समाज की महत्वपूर्ण भागीदारी रही है। समाज के लोगों ने व्यापार, शिक्षा, उद्योग और विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा, परिश्रम तथा उद्यमशीलता से विशिष्ट पहचान बनाई है। छत्तीसगढ़ की प्रगति में तेलुगु समाज का योगदान सराहनीय है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ और तेलुगु समाज के बीच दशकों पुराना आत्मीय संबंध है। तेलुगु समाज ने अपनी भाषा, संस्कृति और परंपराओं को सहेजते हुए छत्तीसगढ़ को भी अपनी कर्मभूमि बनाया है। प्रदेश के सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक जीवन में समाज की सक्रिय भागीदारी हमारी विविधता में एकता की भावना को और मजबूत करती है। उन्होंने कहा कि भारत की सबसे बड़ी विशेषता उसकी सांस्कृतिक विविधता है और विभिन्न भाषाओं एवं परंपराओं का यही सुंदर संगम हमारी राष्ट्रीय एकता की शक्ति है।





मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ में आंध्रा एसोसिएशन की 50 वर्षों की गौरवशाली यात्रा की विशेष सराहना की। उन्होंने कहा कि पांच दशकों का यह सफर केवल एक संगठन की उपलब्धियों का इतिहास नहीं, बल्कि सामाजिक एकजुटता, सांस्कृतिक संरक्षण और सेवा भावना का प्रेरणादायी उदाहरण है। आंध्रा एसोसिएशन ने समाज को एक सूत्र में जोड़ने के साथ नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़े रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि तेलुगु समाज के लोग अपनी मेहनत, अनुशासन और उद्यमशीलता के लिए जाने जाते हैं। छत्तीसगढ़ में व्यापार और शिक्षा के क्षेत्र में समाज की उल्लेखनीय उपस्थिति है। भिलाई स्टील प्लांट जैसे प्रतिष्ठित औद्योगिक संस्थान में भी तेलुगु समाज से जुड़े इंजीनियरों, प्रबंधकों और तकनीकी विशेषज्ञों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है। समाज की इस कर्मठता और सक्रिय भागीदारी से प्रदेश के औद्योगिक विकास को निरंतर मजबूती मिली है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ और आंध्र प्रदेश के बीच बेहतर सड़क संपर्क दोनों राज्यों के विकास की नई संभावनाओं को साकार करेगा। भारतमाला परियोजना के अंतर्गत रायपुर से विशाखापत्तनम तक विकसित किए जा रहे सड़क मार्ग से आवागमन अधिक सुगम होगा। यात्रा के समय और दूरी में कमी आने के साथ माल परिवहन, व्यापार और औद्योगिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। इससे दोनों राज्यों के बीच आर्थिक संबंध और अधिक सुदृढ़ होंगे। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि अपनी मातृभाषा, संस्कृति और परंपराओं का संरक्षण करना प्रत्येक समाज की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। ऐसे राष्ट्रीय सम्मेलन विभिन्न क्षेत्रों में रहने वाले समाज के लोगों को एक-दूसरे से जुड़ने, अनुभव साझा करने और अपनी सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने सम्मेलन के सफल आयोजन के लिए आंध्रा एसोसिएशन के पदाधिकारियों और समाज के सभी सदस्यों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

सम्मेलन में आंध्र प्रदेश के बैरमपुर से आए रिंग डांस समूह, श्री बालाजी विद्या मंदिर के विद्यार्थियों तथा अन्य कलाकारों ने आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। पारंपरिक नृत्य, संगीत और रंगारंग प्रस्तुतियों के माध्यम से तेलुगु समाज की समृद्ध लोककला, सांस्कृतिक विविधता और गौरवशाली परंपराओं की मनमोहक झलक देखने को मिली। इस अवसर पर विधायक पुरंदर मिश्रा, रायपुर नगर निगम की महापौर मीनल चौबे, छत्तीसगढ़ स्टेट बेवरेजेस कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अध्यक्ष श्रीनिवास मद्दी, रायपुर आंध्रा एसोसिएशन के अध्यक्ष जी. स्वामी, आर. सुब्बा राव, श्रीनिवास पटनायक सहित आंध्रा एसोसिएशन के पदाधिकारी, समाज के गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में समाज के सदस्य उपस्थित थे।

उत्साह और गरिमामय वातावरण में मनाया गया जनजातीय गौरव दिवस

उप मुख्यमंत्री अरुण साव मुख्य अतिथि के रूप में हुए शामिल, जनजातीय समाज के उत्थान, संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण पर दिया जोर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के उपलक्ष्य में आज जिला मुख्यालय कांकेर में जिला स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। उप मुख्यमंत्री एवं कांकेर जिले के प्रभारी मंत्री अरुण साव मुख्य अतिथि के रूप में इसमें शामिल हुए। सांसद भोजराज नाग ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। विधायक आशाराम नेताम और विक्रम देव उसेंडी तथा बस्तर संभाग गोंडवाना समाज के अध्यक्ष सुमेर सिंह नाग सहित जनप्रतिनिधि, सामाजिक पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में जनजातीय समाज के लोग भी कार्यक्रम में मौजूद थे।



जनजातीय गौरव दिवस में शामिल होने कार्यक्रम स्थल पहुंचने पर उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने आदिवासी समाज के आंगादेव का परंपरानुसार पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि एवं शांति की कामना की। मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री साव ने भगवान बिरसा मुंडा के अदम्य साहस, त्याग, तपस्या और संघर्ष का स्मरण किया। उन्होंने कहा कि झारखंड के एक गरीब परिवार में जन्मे भगवान बिरसा मुंडा ने अल्पायु में ही अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध आंदोलन का नेतृत्व करते हुए जनजातीय समाज को एकजुट करने का कार्य किया। उन्होंने जल, जंगल और जमीन के अधिकारों तथा आदिवासी समाज के हितों के लिए संघर्ष किया।

उनके योगदान और बलिदान को सदैव याद रखा जाएगा। उन्होंने छत्तीसगढ़ के वीर शहीद वीर नारायण सिंह, वीर गुंडाधुर एवं शहीद गैंदसिंह के योगदान का भी उल्लेख किया।

श्री साव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2021 में भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने की शुरुआत की, ताकि देश के जनजातीय नायकों के योगदान, संस्कृति और गौरवशाली परंपराओं को राष्ट्रीय पहचान मिल सके। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार जनजातीय समाज के उत्थान और उनके सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। जनजातीय क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, सड़क, रोजगार एवं मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं। पीएम जनमन योजना, एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय तथा अन्य योजनाओं के माध्यम से विशेष रूप से जनजातीय समुदायों को लाभान्वित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बस्तर अब नक्सलवाद से मुक्त होकर विकास की नई राह पर आगे बढ़ रहा है। बस्तर पंडुम और बस्तर ओलंपिक जैसे आयोजनों के माध्यम से जनजातीय कला, संस्कृति और परंपराओं को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। उन्होंने वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में जनजातीय समाज की महत्वपूर्ण भूमिका बताई। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कार्यक्रम में उदय नगर के बिरसा मुंडा चौक में भगवान बिरसा मुण्डा की आदमकद प्रतिमा के लिए 10 लाख रुपए तथा सामुदायिक भवन के निर्माण के लिए 20 लाख रुपए की घोषणा की। उन्होंने जिले की प्रमुख विभूतियों एवं प्रतिभावान व्यक्तियों को सम्मानित भी किया।

जनजातीय गौरव दिवस की अध्यक्षता करते हुए सांसद भोजराज नाग ने कहा कि जनजातीय समाज ने देश की संस्कृति, रीति-रिवाजों और परंपराओं को सहेजने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। भगवान बिरसा मुंडा ने कम उम्र में ही समाज और देश के हित में अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। उन्होंने समाज में शिक्षा के प्रसार और नशामुक्ति की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि इन सामाजिक चुनौतियों को दूर करने के लिए सभी को मिलकर प्रयास करना होगा। उन्होंने पीएम जनमन योजना, बस्तर पंडुम, बस्तर ओलंपिक सहित शासन की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से जनजातीय समाज के विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। साथ ही धान खरीदी के संबंध में शासन की मंशा से अवगत कराते हुए कहा कि किसानों के हितों की रक्षा के लिए सरकार प्रतिबद्ध है।

विधायक श्री आशाराम नेताम ने अपने संबोधन में भगवान बिरसा मुंडा के समाज हित में किए गए कार्यों और उनके बलिदान को याद किया। उन्होंने कहा कि हमारी पहचान हमारी संस्कृति, परंपराओं और सामाजिक विरासत से है। हमें अपनी सांस्कृतिक पहचान को अपनाने और उसे अगली पीढ़ी तक पहुंचाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सरकार जनजातीय क्षेत्रों में सड़क, आवास सहित विभिन्न विकास कार्यों को प्राथमिकता से पूरा कर रही है। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के माध्यम से जनजातीय बहुल क्षेत्रों में विकास और मूलभूत सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है।

विधायक विक्रम देव उसेंडी ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने अल्पायु में ही जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए संघर्ष का मार्ग अपनाया और जनजातीय समाज के अधिकारों के लिए आवाज बुलंद की। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद की समाप्ति के बाद बस्तर क्षेत्र में विकास की नई संभावनाएं खुली हैं। राज्य सरकार जनजातीय समाज को विकास की मुख्य धारा से जोड़ने तथा उनके सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने समाज के प्रत्येक वर्ग से शिक्षा, जागरूकता और एकजुटता के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। बस्तर संभाग गोंडवाना समाज के अध्यक्ष श्री सुमेर सिंह नाग एवं श्री महेश जैन ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया तथा भगवान बिरसा मुंडा के जीवन, संघर्ष और जनजातीय समाज के लिए उनके योगदान को याद किया। उन्होंने समाज की एकजुटता, सांस्कृतिक पहचान और परंपराओं के संरक्षण के महत्व को रेखांकित किया।

कलेक्टर कुंदन कुमार, पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा, जिला पंचायत के सीईओ हरेश मण्डावी, जिला पंचायत की अध्यक्ष किरण नरेटी एवं उपाध्यक्ष तारा ठाकुर, नगर पालिका अध्यक्ष अरूण कौशिक, उपाध्यक्ष उत्तम यादव और सतीश लाटिया सहित जनप्रतिनिधि, जनजातीय समाज के प्रतिनिधि, जिला एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारी तथा बड़ी संख्या में जनजातीय समाज के लोग कार्यक्रम में उपस्थित थे।

बस्तर संभागायुक्त ने धान उपार्जन केन्द्र मसौरा का किया निरीक्षण

किसानों को धान विक्रय में किसी भी प्रकार की परेशानी न हो : संभागायुक्त डोमन सिंह



श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बस्तर संभागायुक्त डोमन सिंह ने शुक्रवार 20 नवंबर को कोण्डागांव जिले के धान उपार्जन केन्द्र मसौरा का निरीक्षण कर खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत संचालित धान खरीदी कार्यों एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने उपार्जन केन्द्र में धान की गुणवत्ता, नमी और वजन की जांच की तथा धान विक्रय के लिए पहुंचे किसानों से संवाद कर खरीदी व्यवस्था एवं उन्हें मिल रही सुविधाओं की जानकारी ली।

संभागायुक्त श्री सिंह ने निरीक्षण के दौरान संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि धान खरीदी का कार्य पूरी पारदर्शिता एवं शासन के निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि धान उपार्जन केन्द्रों में किसानों की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाए, ताकि उन्हें अपनी मेहनत की उपज बेचने में किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। साथ ही खराब मौसम को देखते हुए उपार्जित धान के रखरखाव और तारपोलिन से ढंकने की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश समिति प्रबंधक को दिए। इसके अलावा अधिकारियों को धान खरीदी प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित करने के निर्देश दिए।

इस दौरान संभागायुक्त ने धान बेचने आए किसानों से चर्चा कर उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी ली। साथ ही किसानों को शासन की कृषक उन्नति योजना के अंतर्गत प्रदान की जा रही प्रोत्साहन राशि एवं योजना के लाभों के संबंध में जानकारी दी गई।

बाल वैज्ञानिकों को मार्गदर्शन देने के लिए विश्वविद्यालय के द्वार सदैव खुले - कुलपति प्रो. सच्चिदानंद शुक्ला

32वीं राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस अंतर्गत राज्य स्तरीय बाल विज्ञान कांग्रेस का उत्साहपूर्ण समापन, राष्ट्रीय स्तर के लिए 16 बाल वैज्ञानिकों का चयन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बाल वैज्ञानिकों की रचनात्मकता, वैज्ञानिक सोच और नवाचार की प्रतिभा को राष्ट्रीय पहचान दिलाने के संकल्प के साथ 32वीं राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस-2026 के अंतर्गत आयोजित राज्य स्तरीय बाल विज्ञान कांग्रेस का आज पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर में उत्साहपूर्ण समापन हुआ। छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा विश्वविद्यालय के सहयोग से 20 एवं 21 नवम्बर को आयोजित इस दो दिवसीय कार्यक्रम में प्रदेशभर से आए बाल वैज्ञानिकों ने अपनी शोध परियोजनाओं और वैज्ञानिक मॉडलों के माध्यम से प्रतिभा का प्रदर्शन किया। राज्य स्तरीय आयोजन में कुल 156 शोध परियोजनाओं का प्रस्तुतीकरण किया गया, जिनका विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के 15 विषय विशेषज्ञों ने मूल्यांकन किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले वरिष्ठ वर्ग के 10 एवं कनिष्ठ वर्ग के 6 सहित कुल 16 बाल वैज्ञानिक समूहों का चयन राष्ट्रीय स्तर के लिए किया गया।

समापन समारोह को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. सच्चिदानंद शुक्ल ने बाल वैज्ञानिकों की प्रतिभा एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण की सराहना की। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक बनने के लिए केवल पुस्तकीय ज्ञान पर्याप्त नहीं है, बल्कि अपने आसपास की घटनाओं को ध्यानपूर्वक देखना, उनके कारणों को समझना और लगातार प्रश्न पूछना भी आवश्यक है। जिज्ञासा ही नवाचार की वास्तविक आधारशिला है। उन्होंने बच्चों से कहा कि वे अपनी प्रतिभा का मूल्यांकन केवल प्रतियोगिता में प्राप्त स्थान से न करें। सफलता केवल प्रथम, द्वितीय या तृतीय स्थान प्राप्त करने तक सीमित नहीं है। किसी समस्या को नए दृष्टिकोण से समझना, उसका समाधान खोजना और अपने विचारों को विकसित करना ही वैज्ञानिक उपलब्धि की वास्तविक शुरुआत है। उन्होंने दैनिक जीवन के एक अभिनव उदाहरण का उल्लेख करते हुए बताया कि किस प्रकार अनुपयोगी प्लास्टिक पेन एकत्रित करने के लिए विकसित 'पेन बिन' जैसी छोटी पहल भी पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती है। उन्होंने कहा कि नवाचार हमारे आसपास मौजूद है, आवश्यकता केवल सजग दृष्टि और रचनात्मक सोच की है। छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के महानिदेशक प्रशांत कविश्वर ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि विज्ञान और नवाचार का उद्देश्य केवल नई तकनीक विकसित करना नहीं, बल्कि समाज के सामने उपस्थित समस्याओं के व्यावहारिक एवं वैज्ञानिक समाधान खोजना भी है। प्रत्येक बड़ी वैज्ञानिक खोज की शुरुआत एक छोटे प्रश्न, जिज्ञासा या समस्या से होती है। उन्होंने कहा कि बच्चों को सही प्रश्न पूछने, समस्याओं के कारणों को समझने और मार्गदर्शक शिक्षकों की सहायता से वैज्ञानिक पद्धति द्वारा उनका समाधान खोजने का प्रयास करना चाहिए। अनुसंधान के दौरान प्राप्त निष्कर्षों का परीक्षण तथा उनमें निरंतर सुधार करना भी वैज्ञानिक प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा है। पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के फार्मेसी विभाग की निदेशक डॉ. मंजू सिंह ने बाल वैज्ञानिकों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि इस आयोजन में भाग लेने वाला प्रत्येक विद्यार्थी विजेता है। बाल वैज्ञानिकों के नवीन विचारों और प्रस्तुतियों से शिक्षकों एवं विशेषज्ञों को भी नई बातें सीखने का अवसर मिला। इन बच्चों की प्रतिभा यह विश्वास जगाती है कि आने वाले समय में इन्हीं में से कोई प्रतिष्ठित वैज्ञानिक, बड़ा आविष्कारक या नोबेल पुरस्कार जैसी प्रतिष्ठित उपलब्धि प्राप्त करने वाला शोधकर्ता भी बन सकता है।

इस अवसर पर पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के रसायन अध्ययनशाला के प्रो. मोहनलाल सतनामी ने 'फन विद फंडामेंटल ऑफ केमिस्ट्री' विषय पर प्रेरणादायक व्याख्यान दिया। उन्होंने बच्चों को रसायन विज्ञान की मूल अवधारणाओं को रोचक ढंग से समझने के लिए प्रेरित किया। साथ ही वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने, मनोबल बनाए रखने और निरंतर प्रयास के माध्यम से अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ने का संदेश दिया। इसके अतिरिक्त कनिष्ठ वर्ग में बिलासपुर की महिमा, बलौदाबाजार के अर्पण श्रीवास, सरगुजा के नूर मोहम्मद, नारायणपुर के राधेश्याम वेरदा, दुर्ग की संपदा एवं तृषा पाणिग्रही तथा पखांजुर के पृथ्विश रंजन को पुरस्कृत किया गया। समापन समारोह में पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के प्रो. केशवकांत साहू, राज्य समन्वयक डॉ. जे.के. राय, विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के विषय विशेषज्ञ, जिलों के जिला समन्वयक, मार्गदर्शक शिक्षक, बाल वैज्ञानिक, विश्वविद्यालय के प्राध्यापक तथा छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के वैज्ञानिकगण उपस्थित थे।



पांच महत्वपूर्ण उपविषयों पर बाल वैज्ञानिकों ने किया शोध

इस वर्ष राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस का मुख्य विषय 'सतत विकास के लिए विज्ञान और नवाचार' निर्धारित किया गया। इसके अंतर्गत पांच महत्वपूर्ण उपविषयों को शामिल किया गया। इनमें आर-5 के माध्यम अपशिष्ट प्रबंधन, ई-4 के माध्यम से ऊर्जा संबंधी खोज एवं नवाचार, जल संचयन एवं संरक्षण, भोजन-कृषि एवं स्वास्थ्य तथा सतत विकास में भारतीय ज्ञान प्रणालियों का उपयोग शामिल रहा। 15 विषय विशेषज्ञों ने शोध परियोजनाओं का मूल्यांकन करने के साथ ही विद्यार्थियों को अनुसंधान की गुणवत्ता, वैज्ञानिक निष्कर्षों तथा प्रभावी प्रस्तुतीकरण के संबंध में महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए।

राष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करेंगे 16 चयनित समूह

राज्य स्तरीय बाल विज्ञान कांग्रेस में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले वरिष्ठ वर्ग के 10 और कनिष्ठ वर्ग के 6 बाल वैज्ञानिक समूहों का राष्ट्रीय स्तर के लिए चयन किया गया है। ये समूह 5 से 8 जनवरी 2027 तक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी अंतरराष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, नवा रायपुर में आयोजित होने वाली 32वीं राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करेंगे। इसके अतिरिक्त भारतीय विज्ञान कांग्रेस में भागीदारी के लिए दो बाल वैज्ञानिकों का चयन किया गया है। इससे प्रदेश की उभरती वैज्ञानिक प्रतिभाओं को राष्ट्रीय स्तर पर अपने अनुसंधान और नवाचारी विचारों को प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950